हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 89, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 19 सितम्बर, 2022 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

पहले पुलिस को दौड़ाने वाले आज खुद बचके भाग रहे हैं : मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने 56 जिलों के लिए मॉर्डन प्रिजन वैन का किया शुभारंभ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था आज देश और दुनिया में नजीर बनती दिखाई दे रही है। यूपी की कानून व्यवस्था की लोग चर्चा करते नजर आते हैं। वर्ष 2017 के पहले जिस राज्य में दंगे, अराजकता, गुंडागर्दी चरम पर थी, जहां पुलिस भागती थी और अपराधी उन्हे दौड़ाते थे, आज कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले अपराधियों में पुलिस का खौफ है। प्रदेश में अपराधियों में कानून का भय है। साथ ही कानून का राज स्थापित होने से यूपी निवेश में लोगों का पसंदीदा राज्य बन गया है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पुलिस आधुनिकीकरण योजना के तहत 56 जिलों के लिए मॉडर्न प्रिजन वैन को हरी झंडी दिखाने के दौरान कहीं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लखनऊ में प्रदेश की पहली पुलिस एंड फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट की स्थापना की जा रही है। यह न केवल आधुनिक तकनीक से जोड़ेगी बल्कि अपराध नियंत्रण में भी इसकी प्रभावी भूमिका होगी। यहां का ट्रेनिंग सेंटर प्रदेश और देश में दक्ष युवाओं को देने में सक्षम होगा। सीएम योगी ने कहा कि पिछले पांच वर्षों के अंदर देश की आबादी के सबसे बड़े राज्य यूपी में बेहतर कानून व्यवस्था के लिए पुलिस आधुनिकीकरण के जो प्रयास शुरू किए गए थे, उसी के तहत गृह विभाग को मॉडर्न प्रिजन वैन सौंपी जा रही हैं। इसके लिए गृह और कारागार विभाग को बधाई देता हूं। प्रदेश की 25 करोड़ की जनता को सुरक्षा का एहसास कराने के लिए सरकार ने अनेक कदम उठाए हैं। सीएम ने कहा कि चाहे पुलिस भर्ती की प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से सम्पन्न करना हो या प्रदेश के अंदर भर्ती पुलिस कार्मिकों की ट्रेनिंग के साथ उन्हें दक्ष बनाने की कार्यवाही को बढ़ाने का कार्य रहा हो। प्रदेश के हर रेंज में साइबर थाने की स्थापना के साथ हर जोन स्तर पर एफएसएल लैब की स्थापना को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया गया है।

पुलिस कर्मियों को सुरक्षित रखने के साथ हर गतिविधि पर नजर रखेगी वैन – मुख्यमंत्री ने कहा कि 1.56 लाख से अधिक पुलिस कर्मियों की समयबद्ध तरीके से भर्ती प्रक्रिया पूरी कर प्रदेश में पुलिस बल में जो रिक्तियां थीं, उन्हें तो दूर किया ही गया, साथ ही तकनीक से जोड़कर आगे भी बढ़ाया गया। पुलिस बल जिन वाहनों से कैदियों को जेल से अदालत और अदालत से जेल तक पहुंचाता था, वह पुराने हो चुके थे। उनमें आधुनिक तकनीक का उपयोग नहीं किया गया था। ऐसे में कई बार कैदी भाग जाते थे या फिर आपराधिक गिरोह उन पर हमला करके कैदियों को छुड़वाने का प्रयास करते थे। मॉडर्न प्रिजन वैन ऐसी आधुनिक तकनीक से लैस है, जो पुलिस कर्मियों को सुरक्षित तो रखेगी ही, साथ ही एक एक गतिविधि पर नजर रखने में भी मदद मिलेगी।

पुलिस आधुनिकीकरण के लिए यह उठाए बड़े कदम

- यूपी पुलिस के आधुनिकीकरण के लिए 6 हजार करोड़ का बजट जारी किया
- तीन हजार करोड़ से डायल-112 को किया जा रहा आधुनिक टेक्नोलॉजी से लैस
- 18 साइबर थाने प्रदेश में बनाए गए
- महिलाओं की सुरक्षा के लिए एंटीरोमियो स्क्वायड का गठन
- 79 महिला पुलिस चौकी परामर्श केंद्र को थाने का दर्जा दिया गया
- 3 महिला पीएसी बटालियन का गठन किया गया
- ड्रग और शराब माफियाओं पर नकेल कसने के लिए एएनटीएफ का गठन

मोहाली वीडियो लीक कांडः आरोपी छात्रा गिरफ्तार, सीएम ने दिए उच्चस्तरीय जांच के आदेश, शिमला तक पहुंची आंच

मोहाली। मोहाली की नामी निजी यूनिवर्सिटी में शनिवार देर रात उस समय माहौल तनावपूर्ण हो गया, जब हॉस्टल में रही एक छात्रा ने अन्य छात्राओं के अश्लील वीडियो बनाकर शिमला में बैठे दोस्त के माध्यम से सोशल मीडिया पर वायरल करा दिए। जैसे ही छात्राओं को पता चला तो यूनिवर्सिटी में हड़कंप मच गया। छात्रों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया और नारेबाजी शुरू हो गई। इसी बीच एक छात्रा को दिल का दौरा पड़ गया, जबकि कुछ की तबीयत बिगड़ गई। मौके पर पुलिस ने पहुंचकर मोर्चा संभाला। आरोपी छात्रा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

वहीं एक टीम शिमला से लड़के को गिरफ्तार करने के लिए भेजी गई है। हालांकि एसएसपी विवेकशील सोनी ने पूरे मामले का खंडन किया और कहा कि आरोपी लड़की ने केवल अपने ही वीडियो भेजे थे। किसी और लड़की के नहीं। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के दौरान एक लड़की की तबीयत बिगड़ी थी। जिसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हालांकि किसी की मौत नहीं हुई है। सीएम भगवंत मान ने पूरे मामले की निंदा करते हुए कहा कि चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की घटना सुनकर दुख हुआ...हमारी बेटियां हमारी शान हैं। मैंने घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं। जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मैं लगातार प्रशासन के संपर्क में हूं। आप सब से अपील करता हूं कि अफवाहों से बचें।

सात दिन में सामने लाएंगे सच्चाई- कांड की सूचना मिलते ही पंजाब सरकार हरकत में आई और आरोपियों को न बख्शने की बात कही गई। पंजाब राज्य महिला आयोग ने छात्राओं के परिजनों को आश्वस्त करते हुए कहा कि इस मामले में न्याय होगा। आयोग की चेयरपर्सन मनीषा गुलाटी ने कहा कि इस पूरे मामले की सात दिन में सच्चाई सामने लाई जाएगी। इसके साथ ही हॉस्टल की वार्डन से भी पूछताछ होगी।

नहाती लड़कियों का बनाती थी वीडियो- जानकारी के मुताबिक, यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में एक छात्रा रोजाना हॉस्टल में रहने वाली लड़कियों के वीडियो बनाती थी। वह उनके कपड़े बदलने या नहाने के समय ही यह वीडियो बनाती थी। जिसके बाद अपने दोस्त को भेजती थी। लड़कियां कुछ दिनों से उसे नोटिस कर रही थी। लेकिन शनिवार को लड़कियों ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। इसके बाद संस्थान के अधिकारियों को सूचित किया। मौके पर लड़की से पूछताछ की गई । इस दौरान लड़की ने माना कि वह अपने दोस्त को वीडियो भेजती थी। वह अपने दोस्त के कहने पर ही सारी कार्रवाई को अंजाम देती थी। पूरे मामले में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने भी बयान जारी किया है। यूनिवर्सिटी के अनुसार, अन्य छात्राओं के आपत्तिजनक वीडियो शूट करने की बात पूरी तरह से झूठी और निराधार हैं। किसी भी छात्र का कोई वीडियो आपत्तिजनक नहीं मिला, सिवाय एक लड़की द्वारा शूट किए गए एक निजी वीडियो के, जिसे उसके प्रेमी के साथ साझा किया गया था। वहीं अफवाहें हैं कि 7 लड़कियों ने आत्महत्या कर ली है जबकि सच्चाई यह है कि किसी भी लड़की ने ऐसा कोई कदम उठाने की कोशिश नहीं की है।

ओवैसी की मदरसा राजनीति को बड़ा झटका दारुल उलूम ने किया मदरसे के सर्वे का स्वागत

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश में सभी गैर मान्यता प्राप्त मदरसों के सर्वे के बीच तमाम तरह की विरोधी बातें भी सामने आने पर दारूल उलूम देवबंद ने रविवार को एक बैठक में सभी को स्पष्ट निर्देश दे दिया है।

दारुल उलूम के मोहतमिम मुफ्ती अबुल कासिम नौमानी और मौलाना अरशद मदनी ने सभी मदरसा संचालकों से स्पष्ट शब्दों में कह दिया है कि सभी मदरसों को सर्वे में सहयोग करना है। सहारनपुर के देवबंद में बड़ी इस्लामिक संस्था के इस फैसले से हैदराबाद के सांसद एआइएमआइएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की मदरसा राजनीति को बड़ा झटका लगा है। दारुल उलूम देवबंद में ढाई सौ से ज्यादा मदरसा संचालकों के साथ हुई बैठक में सभी मदरसों के सर्वे में सहयोग का निर्देश दिया गया है। वहां पर कहा गया है कि यूपी सरकार के मदरसा सर्वे का स्वागत किया जाए। कहीं पर भी सर्वे का विरोध ना हो, सभी लोग मदरसे जांच में सहयोग करें। सहारनपुर के देवबंद के दारूल उलूम में रविवार को बुलाए गए मदरसों के सम्मेलन में सरकार आदेश पर दारूल उलूम देवबंद ने अपना रुख साफ कर दिया। मोहतमिम मुफ्ती अबुल कासिम नौमानी और मौलाना अरशद मदनी ने सभी मदरसा संचालकों से कहा है कि वह मदरसों का सारा हिसाब-किताब पारदर्शी रखें। इसके साथ ही सर्वे के दौरान मांगे जाने पर सभी दस्तावेज दुरुस्त तरीके से पेश करें। आज की इस बैठक में ढाई सौ से अधिक मदरसों के जिम्मेदार शामिल थे। उत्तर प्रदेश में बिना सरकारी सहायता तथा मान्यता से चल रहे मदरसों के सर्वे के योगी आदित्यनाथ सरकार के आदेश पर इस्लामी तालीम के प्रमुख केन्द्र देवबंद के दारुल उलूम ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। दारूल उलूम ने कहा है कि मदरसे सर्वे का विरोध नहीं बल्कि जांच में सहयोग करें। मदरसों की यह भी जिम्मेदारी बनती है कि वह अपना हिसाब किताब पारदर्शी रखने के साथ ही भूमि संबंधी और अन्य दस्तावेज दुरुस्त रखें।

निर्माणाधीन मकान के सेप्टिक टैंक में उतरे 3 मजदूरों की जहरीली गैस से मौत, घरवालों ने किया हंगामा

कानपुर। बर्रा के मालवीय विहार स्थित एक निमार्णाधीन मकान में सेप्टिक टैंक में उतरे तीन मजदूरों की जहरीली गैस लगने से मौत हो गई। हादसे की जानकारी होने पर परिवारों में कोहराम मच गया। स्वजनों ने मकान मालिक पर हत्या का आरोप लगाकर हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर एसीपी गोविंद नगर विकास पांडे ने मौके पर पहुंचकर आक्रोशित स्वजनों को समझाने का प्रयास किया। जालौन के कालपी निवासी कुशल गुप्ता बर्रा के मालवीय नगर में मकान का निर्माण करवा रहे हैं। इलाके में सीवर लाइन नहीं होने के कारण उन्होंने मकान में सेप्टिक टैंक बनवाया था। मकान में ठेकेदार बाल गोविंद के निर्देशन में नरवल के गांव धमना निवासी साला 25 वर्षीय अमित कुमार, बिधनू कठोगर गांव निवासी 22 वर्षीय अंकित पाल और मूल रूप से बिधनू ढरहरा गांव निवासी 25 वर्षीय शिवा तिवारी पुत्र रामसेवक तिवारी मजदूरी कर रहे थे। रविवार को तीनों मजदूर मकान के सेप्टिक टैंक में लगी शटरिंग हटाने के लिए नीचे उतरे। इस बीच तीनों मजदूर जहरीली गैस की चपेट में आकर बेहोश गए। हादसे की जानकारी होने पर ठेकेदार बाल गोविंद भी बचाने के लिए नीचे उतरे तो वह भी बेहोश हो गए। जानकारी होने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को बाहर निकाला और निजी अस्पताल ले गए। डॉक्टर ने शिवा को मृत घोषित कर दिया। अंकित और अमित की हालत नाजुक होने पर एलएलआर अस्पताल हैलट रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान अंकित और अमित की भी मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पहुंचे मृतकों के स्वजनों ने मकान मालिक पर हत्या का आरोप लगाकर हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे की जानकारी होते ही एसीपी गोविंद नगर विकास पांडे फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। इस दौरान वह आक्रोशित आक्रोशित स्वजनों को समझाने का प्रयास कर रहे थे।

सुशील मोदी ने लिया यूपी की दो लोकसभा सीटों का नाम कहा- यहां से चुनाव लड़े नीतीश तो जब्त होगी जमानत

पटना। नीतीश कुमार के उत्तर प्रदेश से चुनाव लड़ने के दावों और अटकलों के बीच भाजपा ने उन पर कटाक्ष किया है। बीजेपी ने कहा कि नीतीश कुमार जहां से चुनाव लड़ें उनकी जमानत जब्त होगी। भाजपा ने आरोप लगाए कि नीतीश कुमार बिहार से इतना डर गए हैं कि वे उत्तर प्रदेश से चुनाव लड़ने चल दिए हैं। राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने रविवार को कहा कि नीतीश कुमार अब यूपी से चुनाव लड़ने की सोच रहे हैं। उन्हें पता है कि बिहार के अंदर उनके लिए दो सीट भी जीतना मुश्किल होगा। उनके सहयोगी ने उन्हें सुझाव दिया है या उन्हें आफर दिया गया है कि फूलपुर से चुनाव लड़ें। नीतीश कुमार जाएं, चाहे वह फूलपुर हो या मिजार्पुर हो उनकी जमानत जब्त होगी। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि अभी हाल ही में आजमगढ़ और रामपुर का लोकसभा चुनाव हुआ। दोनों क्षेत्र समाजवादी पार्टी के गढ़ माने जाते हैं। यहां से सपा का सफाया हो गया। इसके पहले यूपी में बुआ और बबुआ की जोड़ी को बहुत प्रचारित किया गया। लेकिन क्या हश्र हुआ? भाजपा 64 सीटें जीत गई थी। अखिलेश यादव ने कांग्रेस से हाथ मिलाया था। तब नारा लगा था यूपी को यह जोड़ी पसंद है। क्या हुआ उस जोड़ी का। मोदी ने कहा जिन लोगों ने भाजपा की पीठ में छूरा मारा है वे कहीं से चुनाव लड़ें उनकी जमानत जब्त कराई जाएगी। इससे पहले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने इंटरनेट पोस्ट के जरिए नीतीश कुमार पर हमला बोला। जायसवाल ने पोस्ट किया कि जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह नीतीश कुमार को फूलपुर से लोकसभा का चुनाव लड़वा रहे हैं। वैसे तो माननीय जी की इतनी हिम्मत नहीं है कि वह नालंदा से बाहर बिहार में भी कहीं चुनाव लड़ सकें, लेकिन अगर प्रधानमंत्री का सपना देखना है तो फूलपुर से चुनाव जरूर लड़ना चाहिए।

पत्थर से सिर कूचकर मां-बेटी की हत्या, मायके वालों ने पुलिस के सामने ससुरालियों को चप्पलों से पीटा

अमरोहा। गजरौला में दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे पर स्थित गांव कांकाठेर में घर में सोते समय विधवा मां व मासूम बेटी की पत्थर से कूचकर निर्मम हत्या कर दी गई। वारदात से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में ले लिया और मृतका के भाई की तहरीर पर ससुर, दो जेठ समेत चार ससुरालियों के खिलाफ प्राथमिक दर्ज कर ली है। एडीजी बरेली जोन, डीआइजी मुरादाबाद के साथ ही एसपी ने भी मौका मुआयना किया। वहीं घटना से नाराज मृतका के मायके वालों ने ससुरालियों की चप्पलों से पिटाई भी कर दी। हसनपुर के थाना सैदनगली क्षेत्र के गांव बहापुर निवासी वेदराम सिंह की पुत्र 38 वर्षीय मिथलेश की शादी वर्ष 2008 में गजरौला थाना क्षेत्र के गांव कांकाठेर में पवन के साथ हुई थी। इनके पास दो बच्चे है, एक 12 वर्षीय बेटी यशी और 15 वर्षीय पुत्र मनवीत सिंह। वर्ष 2013 में पवन की बीमारी की वजह से मृत्यु हो गई थी। इसके बाद मिथलेश अपनी पुत्री के साथ अकेली घर में रहती थी और बेटा मनवीत को ननिहाल में छोड़ दिया था। वह वहां पर रहता था। रोजाना की तरह दोनों मां-बेटी शनिवार रात घर के आंगन में चारपाई पर सोई थीं। इसके बाद रात में दोनों मां-बेटी के सिर पर पत्थर से वार कर हत्या कर दी। घटना की जानकारी रविवार की सुबह करीब छह बजे उस समय हुई जब पड़ोस में रहने वाली महिला सुमंत्रा दूध लेने के लिए उसके घर पहुंची। गेट खुले होने पर वह अंदर पहुंची तो चारपाई पर दोनों मां बेटी के शव खून से लथपथ हालत में पड़े थे। उसकी चीख सुनकर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। इसके बाद पास में दूसरे मकान में रहने वाले ससुर नानक व सास फूलवती भी आ गए। कुछ देर बाद थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। दोनों के शवों को कब्जे में ले लिया और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस ने मौके से घटना में प्रयुक्त पत्थर भी खून से सनी ही हालत में कब्जे में ले लिया।

50 जिलों में 2.27 करोड़ बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो ड्रॉप, सीएम योगी ने शुरू किया अभियान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को किया। अभियान में प्रदेश के 50 जनपदों के 2.27 करोड़ बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाइ जाएंगी। इसमें पहले दिन 77 हजार बूथों पर, जबकि दूसरे दिन से छठे दिन तक 15 हजार पर्यवेक्षकों के नेतृत्व में 48 हजार टीमें घर घर जाकर 5 साल तक के बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाएंगे। मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित कार्यक्रम में 10 बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाकर अभियान की शुरूआत करने के बाद सीएम ने कहा कि जबतक दुनिया से इस खतरनाक संक्रामक बीमारी का अंत नहीं हो जाता हमें सतर्क रहना होगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान जैसे देशों में आज भी पोलियो का संक्रमण मौजूद होने के कारण हमारे देश के लिए भी खतरा मौजूद है, इसलिए हमें सतर्क रहने के साथ ही इस बीमारी के खिलाफ सामूहिक प्रयास करते रहने होंगे। मुख्यमंत्री ने पल्स पोलियो अभियान में विभिन्न धर्म गुरुओं और सामाजिक संगठनों को भी जोड़ने की बात कही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पोलियो एक संक्रामक बीमारी है, लेकिन जब सामूहिक रूप से प्रयास होते हैं तो उसका भी हम समाधान निकाल देते हैं। पल्स पोलियो अभियान देश के अंदर उसी सामूहिक ताकत का अहसास कराता है। हमें याद है कि इसके लिए गांव गांव में बूथ लगाने और

अवेयरनेस के बृहद कार्यक्रम को साथ में लेकर तमाम संगठनों ने सहभागी बनकर इसे सफल बनाया, उसके परिणाम आज हमारे सामने हैं। 12 साल से यूपी में कोई भी पोलियो से संबंधित मामला देखने को नहीं मिला है। सीएम ने कहा कि आज 135 करोड़ लोग पोलियो जैसी संक्रामक बीमारी से मुक्त हुए हैं। मगर, संक्रामक होने के कारण ये बीमारी आसानी से एक जगह से दूसरी जगह संक्रमित हो सकती है, इसलिए दुनिया के कुछ ऐसे चुनिंदा देश बचे हैं, जहां इसपर नियंत्रण नहीं हुआ है। इस सतर्कता के लिए प्रतिवर्ष पोलियो उन्मूलन के लिए अभियान शासन स्तर पर संचालित हो रहा है। दो बूंद पोलियो ड्रॉप पिलाने से बच्चे को स्वस्थ रखा जा सकता है। छोटी सी लापरवाही भी किसी बच्चे को शारीरिक रूप से दिव्यांग बना सकती है। ये एक राष्ट्रीय क्षति है। हमने एक दशक पहले इस बीमारी के साथ ही इंसेफेलाइटिस, कालाजार, मलेरिया पर भी प्रभावी नियंत्रण लगाया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता से अपील करते हुए कहा कि ये वर्तमान और भविष्य को बचाने के लिए राष्ट्रीय अभियान है। हमें इसे सफल बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे। कोई बच्चा छूटने ना पाए, ये हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य होना चाहिए क्योंकि स्वस्थ्य समाज ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकता है।

केजरीवाल का भाजपा पर हमलाः कहा-अमानतुल्लाह के बाद अब सिसोदिया और कैलाश गहलोत की होगी गिरफ्तारी

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आज आम आदमी पार्टी का पहला राष्ट्रीय जनप्रतिनिधि सम्मेलन आयोजित हुआ। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी राक्षसों का वध करने का काम कर रही है। आप के लोग कट्टर ईमानदार हैं। मोहल्ला क्लीनिक की विश्व में चर्चा हो रही है। अमनातुल्लाह खान पर की गई कार्रवाई को लेकर अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अमानतुल्लाह के बाद अब मनीष सिसोदिया और कैलाश गहलोत को भी पकड़ेंगे। अरविंद केजरीवाल ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि वे भ्रष्टाचार से लड़ने के नाम पर आप को कुचलने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि उन्हें गुजरात चुनाव में हार का डर है। अपनी पार्टी के निर्वाचित प्रतिनिधियों के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने यह भी आरोप लगाया कि मोदी सरकार उनकी पार्टी के मंत्रियों और नेताओं को भ्रष्टाचार के झूठे मामलों में फंसाने की कोशिश कर रही है क्योंकि भाजपा आप की बढ़ती लोकप्रियता को पचा नहीं पा रही है। आप पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ने आरोप लगाया कि गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले आप के बढ़ते प्रभाव से भाजपा इतनी बौखला गई है कि प्रधानमंत्री के सलाहकार हिरेन जोशी ने कई टीवी चैनलों के मालिकों और उनके संपादकों को गुजरात में आप पार्टी को कवरेज नहीं देने की चेतावनी दी है, उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी है।

संपादकीय

सुशासन बनाम अराजकता

बिहार के बेगूसराय जिले में मंगलवार को दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार लोगों ने सड़क पर जिस तरह का आतंक मचाया, उसने एक बार फिर बिहार में सुशासन के दावे पर सोचने के लिए लोगों को मजबूर कर दिया। अराजकता और हिंसा के चुनावी मुद्दा बनने के बाद बिहार में सत्ता परिवर्तन हुआ था और सुशासन का भरोसा दिया गया। अपराधों की प्रकृति, उसके तुलनात्मक आंकड़े और उसके प्रति शासन का रुख बहस का विषय हो सकते हैं, लेकिन शायद कोई नहीं चाहेगा कि राज्य में आपराधिक तत्त्वों की गतिविधियां बेलगाम हो जाएं। बेगूसराय की घटना के सुर्खियों में आने की वजह ही यह बनी कि इस अपराध की प्रकृति दूसरी वारदात के मुकाबले बिल्कुल अलग प्रकृति की थी। दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार अपराधियों ने राष्ट्रीय उच्च पथ 28 पर करीब तीस किलोमीटर तक गाड़ी चलाते हुए बेलगाम गोलीबारी की। गोली लगने से एक व्यक्ति की जान चली गई और दस लोग घायल हो गए। पहली नजर में ही यह साफ लग रहा था कि सड़क पर गाड़ी चलाते हुए इस तरह गोलीबारी किसी खास व्यक्ति को निशाने पर लेकर हत्या करने के मकसद से नहीं, बल्कि आतंक फैलाने के लिए की गई थी, जिसमें किसी की जान की परवाह नहीं थी। स्वाभाविक ही घटना की प्रकृति को देखते हुए यह सवाल उठा कि इतनी लंबी दूरी तक कुछ अराजक तत्त्व लगातार गोलियां बरसाते रहे और इस बीच कहीं भी सड़क पर उन्हें रोकने-टोकने के लिए पुलिस वाले नहीं दिखे। जबकि उम्मीद यह की जाती है कि भाग रहे किसी भी अपराधी को पुलिस का तंत्र कुछ ही देर में पकड़ लेगा। राहत की बात सिर्फ इतनी है कि गोलीबारी कर गायब हो गए चार आरोपियों को सीसीटीवी के फुटेज, मोबाइल के लोकेशन और अन्य तकनीकी यंत्रों की मदद से पुलिस ने अब गिरफ्तार कर लिया है। शुरूआती जांच और पूछताछ के बाद पुलिस ने यह बताया कि गोलीबारी करने वालों का मकसद दहशत या आतंक फैलाना था। लेकिन फिर इसके बाद इस सवाल का जवाब बाकी रह जाता है कि आम लोगों के बीच ऐसी वारदात के जरिए आतंक फैलाने के पीछे क्या मकसद हो सकता है! संभव है कि पुलिस अपनी जांच-पड़ताल के बाद इस पहलू का भी खुलासा करे, लेकिन तीस किलोमीटर तक सड़क पर अपराधियों ने सरेआम और बेरोकटोक जैसा आतंक मचाया, वह कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर एक गंभीर खामी का सूचक है। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद सबसे ज्यादा सुर्खियों में रहने वाला शब्द सुशासन रहा है। इसलिए वे अगर अपने सुशासन और राज्य के हित में सोचने वाले नेता की पहचान के साथ टिके रहना चाहते हैं तो उन्हें राज्य में होने वाले ऐसे अपराधों को अंजाम देने वाले अपराधियों और पर्दे के पीछे खड़े उनके संरक्षकों को भी कानून के कठघरे में खड़ा करना होगा। अगर ऐसी अराजक हिंसा की वारदात होती है तो राज्य सरकार को सोचना चाहिए कि सुशासन का क्या अर्थ है और वह किस मोर्चे पर नाकाम है। दरअसल, बेगूसराय में अपराधियों ने जैसा तौर-तरीका अपनाया, उसकी वजह से इस पर सबका ध्यान जाना लाजिमी है। यह कहा जा सकता है कि सरकार की सक्रियता और पुलिस की तत्पर कार्रवाई के बाद चार आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए, लेकिन जरूरत इस बात की है कि इस घटना के हर पहलू की बारीकी से जांच-पड़ताल कर त्वरित अदालत के जरिए दोषियों को सख्त सजा दिलाने के लिए सरकार अपनी इच्छाशक्ति दिखाए। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि अराजकता, हिंसा और अन्य आपराधिक घटनाओं की वजह से बिहार की सरकार पहले भी सवालों के घेरे में रही है।

हुआ ये गंदा काम!

मिले सख्त सजा ।
हुआ ये गंदा काम ।।
ले लिया तस्वीर ।
हैं मुश्किलें तमाम ।।
है प्रतिष्ठा प्रश्न ।
उठते हैं सवाल ।।
कौन इसके पीछे ?
हो सही पड़ताल ।।
कांप जाती रूह ।
दु:ख भी है भारी ।।
ना हो पुनरावृत्ति ।
है इसकी तैयारी ?
होगा रखना धैर्य ।
अस्मिता की बात ।।
पहुंचा पर समाज को ।
है इससे आघात ।।

–कृष्णेन्द्र राय

बेहतर भविष्य के लिए मिले सबक

पिछले ढाई वर्षों में, जब मानवता एक विज्ञान कथा में रहने के करीब आ गई, हमने कोविड-19 संकट के दौरान जीवन भर के लिए एक सबक सीखा। अब हम सामूहिक रूप से दावा कर सकते हैं कि भारत और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अथक नेतृत्व में हमने कई महत्त्वपूर्ण बातें सीखी हैं। इस दौरान हमने अपनी विनम्रता, दृढ़ संकल्प और शक्ति का प्रदर्शन किया, जिसके चलते दुनिया भर से सम्मान मिला, जो अपने आप में हमारी एक बड़ी उपलब्धि है।

खासकर भारत में टीका बनाने के मामले में यह दावा किया जा सकता है। चाहे वह भारत का टीका बनाने का कौशल हो, इस क्षेत्र में अनुसंधान और विकास में नवाचार परीक्षण हो, सार्वजनिक-निजी भागीदारी की संभावनाओं को उजागर करना हो, टीकाकरण अभियान का डिजिटलीकरण हो, मिशन मोड पर सरकारी विभागों को एक साथ लाना हो, चाहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सवा अरब लोगों का जीवन बचाने के लिए संवाद स्थापित करने और उन्हें समझाने के लिए किए गए प्रयास हों, हम हर मोर्चे पर सफल हो सके। इस तरह हम दावा कर सकते हैं कि दशकों का सबक हमने इन दो सालों में सीख लिया। यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। खासकर तब जब स्थितियां बहुत तेजी से बदल रही हैं, विज्ञान के क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है और कई देशों में टीके को लेकर कलह और सामाजिक झिझक भी देखी जा रही है। एक साल से भी कम समय में सार्स को-वी2 जैसे नए विषाणु के लिए सुरक्षित और प्रभावी टीकों का विकास आधुनिक विज्ञान के इतिहास में सबसे प्रभावशाली कारनामों में गिना जाएगा। उस इतिहास में भारत के टीका पारिस्थितिकी तंत्र की भूमिका महत्त्वपूर्ण मानी जाएगी। कई दुर्घटनाओं और असंख्य स्थानीय और वैश्विक चुनौतियों, जैसे कच्चे माल की भारी कमी आदि के बावजूद सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया (एसआइआइ), जो दुनिया का सबसे बड़ा टीका निमार्ता है, और अन्य भारतीय टीका-निमार्ताओं ने दो अरब से अधिक खुराक टीके का निर्माण किया, जो अगर पूरे पृथ्वी ग्रह की आबादी के अनुपात में देखें तो लगभग एक तिहाई मानवता को एक खुराक देने के लिए पर्याप्त है।

विनिर्माण का यह पैमाना दुनिया के सामने भारत की क्षमता का एक संकेतक मात्र है, क्योंकि टीके बनाने के लिए बेहद उच्च तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है और ये व्यक्ति को अन्य बीमारियों के खिलाफ जीवन भर सुरक्षा प्रदान करते हैं। टीकाकरण अभियान में को-विन ऐप के रूप में रीढ़ की हड्डी जैसी स्वास्थ्य तकनीक उपलब्ध कराई गई, जिसका बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला। जिस रफ्तार से भारत ने ई-विन को अपनाया, उसकी स्मार्ट टीका आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन प्रणाली का विकास किया, जिसका उपयोग को-विन के अलावा बच्चों और महिलाओं के लिए सार्वभौम टीकाकरण कार्यक्रम में किया जाता है, वह अनुकरणीय कदम है। भारत ने शुरू से ही डिजिटल टीकाकरण प्रमाणपत्र जारी करना शुरू कर दिया था, जबकि कई विकसित देश इसके लिए संघर्ष कर रहे थे और इसे मैन्युअल रूप से जारी कर रहे थे। को-विन वह महत्त्वपूर्ण मंच है, जो किसी आपात स्थिति से निपटने और अन्य सार्वभौमिक या उम्र विशेष के लिए चलाए जाने वाले टीकाकरण अभियानों को संचालित करने में उपयोगी साबित हो सकता है। यह एक ऐसी संपत्ति है, जिसे विभिन्न तरीकों से अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के लिए भी अनुकूलित किया जा सकता है। तीन क्षेत्र, जिनमें देश ने नए प्रयोगों के प्रयास में एक छलांग लगाई और मूल्यवान सीख प्राप्त की, वे हैं टीका अनुसंधान और विकास, दवा नियामक प्रणाली, और सरकार की गहरी

भागीदारी। इसमें कोविड-19 से पार पाने के लिए समस्त विभागों और निजी हितधारकों की सहभागिता भी सुनिश्चित की गई। सबसे पहले इस बात का पूरी तरह पता लगाया गया कि उग्र महामारी के दौरान टीके की खोज का मार्ग कितना अनिश्चित हो सकता है, फिर सरकार ने एक सोची-समझी रणनीति तैयार की। उस समय कोई नहीं जानता था कि कौन-सा टीका प्रभावी साबित होगा। भले उस दौरान कई टीका निमार्ता सफल थे, पर कौन सबसे सुरक्षित, सबसे प्रभावी और उपयोग करने में सबसे सुविधाजनक होगा, स्पष्ट नहीं था। टीका बनाने का विज्ञान इतना जटिल है कि दावा नहीं किया जा सकता कि जरूरी नहीं कि जो सबसे पहले बना वही सबसे अच्छा हो। इसलिए एक ऐसी योजना पर दांव लगाना था, जो संख्यात्मक रूप से समृद्ध और प्रौद्योगिकी के लिहाज से विविध थी।

इस तरह वैज्ञानिक समुदाय और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र ने अपने को एक दशक में विकसित की जा सकने वाली समझ को एक वर्ष में समेट दिया। इससे हमें यह भी सीखा कि अगर कंपनियां, नीति निमार्ता और वैज्ञानिक एक साथ आ जाएं तो टीके के विकास में कुछ भी संभव हो सकता है। हमारी दवा-नियामक प्रणाली, जिसे पारंपरिक रूप से धीमी गति से चलने वाला माना जाता है, उसने परिपक्व बाजारों में कई वैश्विक नियामकों की तरह, टीकों को मंजूरी देने के लिए त्वरित मार्ग अपनाना सीखा। इससे यह भी अनुभव मिला कि अगर कभी कोविड-19 की तुलना में अधिक भयावह किन्हीं बीमारियों के विरुद्ध प्रभावी और जबर्दस्त अभियान छेड़ने की जरूरत पड़ी तो रोगी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, तेजी और दक्षता के साथ ये सबक नियामक प्रणाली की कार्यप्रणाली में दिखेंगे। इस महामारी से लड़ने में इसलिए भी मदद मिली कि सरकार समग्र रूप से इसमें लग गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में, कई अंतर-अनुशासनात्मक, अंतर-विभागीय अधिकार प्राप्त समूहों ने अपने खास ढर्रे में काम करने की संस्कृति को छोड़ कर तेजी से निर्णय लेने के लिए संपूर्ण सरकार के रूप में अपने को ढाल लिया। उद्योग समूहों ने भी इसमें महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मीडिया, स्थानीय प्रभावशाली तंत्र, नागरिक समाज और अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय भागीदारों सहित सभी हितधारकों ने इसमें सहायक की भूमिका अदा की। अगर यही जज्बा बना रहा, तो भविष्य में अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों से लड़ने में हमारे देश की अद्भुत क्षमता का परिचय मिल सकता है। अंत में, हमने जो सबसे बुनियादी लेकिन मूल्यवान सबक सीखा, वह यह कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के संदर्भ में समुदाय के साथ पारदर्शी रूप से संवाद करना, प्रभावी ढंग से जुड़ना और उन्हें विज्ञान में अपना विश्वास उस भाषा में रखने के लिए प्रोत्साहित करना है, जिसे वे सबसे अच्छी तरह समझते हैं। ऐसे वक्त में जब कई विकसित देश टीका-विरोधी आंदोलन से जूझ रहे थे, भारतीयों ने टीकाकरण अभियान में भारी हिस्सेदारी करके दिखा दिया कि यह एक ऐसा देश है, जहां वैज्ञानिक स्वभाव हिचक को कम करता है। दूसरा, सबसे अधिक आबादी वाला देश होने के बावजूद, 96.7 प्रतिशत पात्र आबादी को पहली खुराक का टीका लगाया जा चुका है, 89.2 प्रतिशत ने दोनों खुराक ले ली है, और 18.7 करोड़ से अधिक एहतियाती खुराक दी जा चुकी है। यह कोविड-19 टीकाकरण की भव्य सफलता का एक स्पष्ट प्रमाण है। पात्र लाभार्थियों को उनकी आवश्यक खुराक लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए देश भर में विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। मानव विकास रिपोर्ट 2022 में उद्धृत एक अनुमान के अनुसार, अकेले 2021 में, कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रमों ने विश्व स्तर पर लगभग दो करोड़ मौतों को रोका। सभी चुनौतियों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वास्तव में कोविड-19 की प्रतिक्रिया को बदल दिया है।

बात करने का जुगाड़

हमारा देश जुगाड़ों का देश माना जाता है। एक टीवी चैनल पर तो देश भर में बनाए दिलचस्प जुगाड़ दिखाए जाते हैं। कहते हैं, जिन्हें सीधा रास्ता नहीं मिलता, वे जुगाड़ लगाकर या बनाकर सफलता हासिल करते हैं। बात करना भी एक कला माना गया है, लेकिन बदले हुए विकसित परिवेश में महसूस होता है कि बात करना भी अब एक जुगाड़ हो चुका है। बात करने के कई प्रसिद्ध प्रकार और स्वाद के मानक, व्यवहार के बाजार में स्थापित हो चुके हैं। सही बात, गलत बात, उचित बात, अनुचित, मीठी, नमकीन, खट्टी, कड़वी, तीखी और कसैली वगैरह। परिस्थितियों के अनुसार बात का रंग और शैली बदल दी जाती है। तरक्की ज्यों-ज्यों बढ़ती जा रही है, दुनिया विकास की नई चौड़ी सडकों पर तेजी से दौड़ रही है, मगर बेचारी जिंदगी औंधे मुंह गिर रही है और बात बिगड़ती जा रही है।

बात को अलग-अलग करवटें देकर, तहजीब की गोद में रखकर, करने और समझाने वाले बढ़ते जा रहे हैं। दर्जनों किताबें तो कब से बता रही हैं कि किस तरह के मौके पर बात कैसे की जाए। बातों को घुमा-फिरा कर करना ज्यादा महीन कारीगरी मानी गई है। राजनीतिक और वकील तो बातों में नए नए पेंच घुमाते हुए बरसों निकाल देते हैं, ताकि बात बनती दिखे, लेकिन बने नहीं। इतना तोल-मोल कर बात कहते हैं कि मामले निबटने का नाम नहीं लेते। जिन कुछ लोगों की, दिल और दिमाग की सच और खरी-खरी बातें जबान पर रहती हैं, वे खुद चाहे संतुष्ट और खुश रहें, लेकिन सुनने वाले दुखी हो जाते हैं। इससे यह बात साबित होती है कि समाज में सही बात अभी तक अपना उचित स्थान प्राप्त नहीं कर सकी। साफ-सुथरी स्पष्ट, लेकिन परेशान बातें सोचने लगी हैं कि क्यों हमें घुमा-फिरा कर नहीं किया जाना चाहिए। बातों को व्यवस्था, समय, राजनीतिक और सामाजिक मौसम के हिसाब से उसके सभी कोने घिसकर, रंग कर, पकाकर और सही आकार में काटकर पेश करना चाहिए। बात करते समय होठों पर बिल्कुल नकली मुस्कराहट चिपका लेनी चाहिए। लगभग ऐसा ही इस्तेमाल आंखों का भी करना चाहिए। इस बीच अगर दिल कहे कि तुम गलत कर रहे हो तो उसे अंतर्मन से डांट खिला देनी चाहिए, चुप करो, इस समय दिमाग से काम ले रहा हूं। बात करते हुए कूटनीतिक बने रहना लाजिमी माना गया है। किसी को इतना ही कहिए, जितना वह समझ सके या जितना समझना उसके लिए जरूरी हो। अपना काम निकालना, करवाना ज्यादा जरूरी और महत्त्वपूर्ण है।

करिअर, नौकरी बचाना जरूरी है। इसके लिए उनकी पुरानी कमीज के बढ़िया और विरले शेड की तारीफ भी करनी पड़ सकती है। हो सकता है कि अरुचिकर परिधान की प्रशंसा भी करनी पड़े। कई बार ऐसे व्यक्ति के गले लग कर आपसे मिलकर अच्छा लगा बोलना होता है, जिससे मिलना आपको परेशान कर दे। बिल्कुल जरूरत भर बात। किसी के साथ अंग्रेजी में बात शुरू करें और उन्हें आपकी खास अंग्रेजी पल्ले न पड़े तो बात को सलीके से सरल हिंदी में समेटने में कोई हर्ज नहीं। बात को संतुलित मसाले और गाढ़ी, अच्छी दिखने वाली सब्जी ही मान लिया जाए तो बात का बतंगड़ बनने से बच सकता है। वैसे अब ज्यादा लोगों से बात करना आवश्यक भी नहीं रह गया है। वाट्सऐप और उसके जैसे ऐप ने कई समस्याएं हल कर दी हैं। वह अलग बात है कि लिखते हुए ज्यादा समझदारी की जरूरत है जो वहां नदारद होती जा रही है। कई बार अपरिहार्य परिस्थितियां उग आती हैं या बना दी जाती हैं। ऐसे में सामने वाले की सहनशक्ति का अंदाजा लगाना भी जरूरी है। अपशब्दों का प्रयोग करने से बचना हमेशा लाभकारी रहेगा। सख्त बातचीत के मामले में लखनवी अंदाज आज भी काफी मदद कर सकता है। हमें अपनी खुरदरी, थोड़ी बुरी लगने वाली बात कह भी दी और दूसरे को बुरा भी नहीं लगा या कहें कि उन्हें पता नहीं चला। इस सलीके से आपने वक्त को अपने बेहतर अंदाज पर फिदा होने का मौका दिया। हो सकता है बुरा वक्त कल अच्छे वक्त में तब्दील हो जाए। इसके उलट, बात गलत रास्ते पर निकल पड़े तो अपने स्वभाव के कारण दूर तक चली जाती है और ज्यादा लोग ज्यादा परेशान होने लगते हैं। बात का खयाल रखना बहुत जरूरी होता जा रहा है। बात सिर्फ जुगाड़ नहीं है। बात करने के लिए तकनीक कम, सौम्यता, सरलता, आदर, स्नेह, प्यार, स्वानुशासन और अनुशासन की ज्यादा जरूरत है।

भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने को अंतिम सांस तक संघर्ष करूंगा : नितिन उपाध्याय

हिंदू राष्ट्र बनने के बाद विश्व गुरु की भूमिका में होगा भारत - डॉ. गीता रानी, भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने को लेकर चलाया गया विशाल हस्ताक्षर अभियान

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भारत को हिन्दू राष्ट्र बनवाने के लिए अखिल भारत हिन्दू महासभा द्वारा चलाए जा रहे दस करोड़ हस्ताक्षर अभियान से पूरा देश जुड़ गया है` अखिल भारत हिन्दू महासभा और जय बजरंग सेना अंतिम सांस तक इस पवित्र कार्य को अंजाम तक पहुंचाने संघर्ष करेगी` यह बात हिंदू महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और हस्ताक्षर अभियान समिति के संयोजक तथा जय बजरंग सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन उपाध्याय ने कही` प्रखर हिंदूवादी नेता नितिन उपाध्याय ने 18 सितम्बर रविवार को पड़ारकर भवन में आयोजित प्रेस कांफ्रेस को संबोधित कर रहे थे उन्होंने बताया कि काशी विश्वनाथ की नगरी में आयोजित वागेश्वर धाम सरकार की श्रीमद भागवत कथा के दौरान हिंदू महासभा की टीम ने विशेष हस्ताक्षर अभियान चलाकर लाखों लोगों को हिंदू राष्ट्र बनाने के पवित्र कार्य से जोड़ा है। युवा क्रांतिकारी संत और सनातन के प्रहरी बागेश्वर धाम सरकार की दिव्य प्रेरणा से पूरे देश भर में यह अभियान चलाया जा रहा है अगले साल अप्रैल माह में 10 करोड़ से ज्यादा हस्ताक्षर पूरे देश से एकत्र करवाकर प्रधानमंत्री को सौंपकर हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग हिंदू महासभा करेगा` अखिल भारत हिंदू महासभा की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष डॉ. गीतारानी ने इस दौरान बताया कि वाराणसी में हिंदू राष्ट्र समर्थन हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ 10 जुलाई आरके ग्रैंड होटल सिगरा से हुआ` हस्ताक्षर अभियान मंदिरों और आश्रमों में चल रहे हैं सनातन धर्म का हर व्यक्ति हिंदू राष्ट्र की अभिलाषा रखता है और उत्साहित है उन्होंने कहा कि हिंदू राष्ट्र घोषित होने के बाद नई शिक्षा पद्धति के साथ बच्चों को स्कूल में एक आध्यात्मिक वैदिक शिक्षा दी जाएगी ताकि बच्चों का नैतिक आचरण ऊंचा हो सके` तलाक में कमी आएगी क्योंकि हिंदू धर्म में विवाह एक धार्मिक अनुष्ठान है,अपराधिक मामले कम होंगे ,धार्मिक हत्याएं बंद हो जाएंगी`

इस दौरान नितिन उपाध्याय राष्ट्रीय संयोजक हिंदू राष्ट्र निर्माण हस्ताक्षर अभियान) / (राष्ट्रीय अध्यक्ष बजरंग सेना) ,डॉ. गीता रानी(राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष अखिल भारत हिंदू महासभा), डॉ अनुज प्रकाश जिलाध्यक्ष चंदौली (हिंदू राष्ट्र निर्माण हस्ताक्षर अभियान), निशा श्रीवास्तव (जिला संयोजक वाराणसी हिंदू राष्ट्र निर्माण), अमृता राय (जिला सहसंयोजक हिंदू राष्ट्र निर्माण), नीता सिंह (जिला सहसंयोजक हिंदू राष्ट्र निर्माण), सौम्यक सोनी (जिला अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ हिंदू राष्ट्र निर्माण) एवं मीडिया प्रभारी रोहित सेठ उपस्थित रहे।

देश बचाओ देश बनाओं पदयात्रा का सपा ने किया जोरदार स्वागत

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर चल रहे देश बचाओ देश बनाओं पदयात्रा का आगमन पर आजमगढ़ जौनपुर बॉर्डर के कनौरा पर सपा जिलाध्यक्ष लालबहादुर यादव के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया बतादें 9 अगस्त 2022 को अगस्त क्रान्ति के दिन समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के वरिष्ठ छात्रनेता अविषेक यादव के नेतृत्व में साथियों के साथ में निकली पदयात्रा जौनपुर बॉर्डर पर पहुंची लालबहादुर यादव ने पद यात्रियों को सम्बोधित करते हुए कहा गाँव-गरीब-किसान-मजदूर-मजलूम की आवाज उठा रहे है। दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक के हक की लड़ाई लड़ते हुये। महंगाई, बेरोजगारी, महिला उत्पीड़न, शिक्षा का बाजारीकारण, निजीकरण और पुलिसिया उत्पीड़न के खिलाफ सरकार से सवाल करते हुये और सबको इस भाजपा सरकार के खिलाफ लगातार आगाह करते हुये गाजीपुर से बलिया, मऊ, आजमगढ़ होते हुये लगभग 800 किमी दूरी तय करते हुये आजमगढ़ के लालगंज होते हुए जौनपुर के विधानसभा केराकत पहुंचा वही अविषेक यादव के कहा भाजपा सरकार देश और प्रदेश के विकास से पूर्णतया वंचित एंव उपेक्षित है भाजपा नेतृत्व के पास विकास का कोई विजन नहीं है लोहिया वाहनी के राष्ट्रीय महासचिव राघवेंद्र यादव ने कहा भाजपा सरकार कुछ भी बदलाव करने की स्थिति में नहीं है भाजपा सरकार बड़े उद्योगपति के हितों में काम कर रही है सन 2024 में जन विरोधी भाजपा सरकार को सत्ता से बाहर करने के लिए जनता को मिलकर तैयार रहना होगा भाजपा ने सभी को धोखा देने का काम किया देश बनाओ देश बचाओ यात्रा में जनता का अपार समर्थन मिल रहा है यात्रा मे मुख्य रूप से राघवेंद्र यादव,अखिलेश गुप्ता, पंकज यादव, राजवीर, अविनाश गुप्ता, अवनीश, राजसाहनी,पंकज कुशवाहा, राकेश शर्मा, आशुतोष तिवारी, प्रवक्ता राहुल त्रिपाठी, नीरज पहलवान, राकेश यादव, विनय मास्टर, शबनम नाज,अमित ठाकुर,शुभम,श्याम बहादुर, सुजीत कुमार, आदि।

महिला के साथ हुई लूट का कैंपियरगंज पुलिस व सर्विस लांस टीम ने किया खुलासा, चार अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर गोरखपुर। कैंपियरगंज इलाके के रामचौरा में 3 सितम्बर को रात में 9 बजे बाइक सवार बदमाश, महिला से बैग लूटकर फरार हो गए थे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव ग्रोवर ने पुलिस अधीक्षक उत्तरी मनोज कुमार अवस्थी को महिला का लुटे हुए पैसे वह अपराधियों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया था जिसके अनुपालन में पुलिस अधीक्षक उत्तरी मनोज कुमार अवस्थी ने तत्परता दिखाते हुए क्षेत्राधिकारी कैंपियरगंज योगेंद्र सिंह सहित केंपियरगंज थाना प्रभारी रंजीत सिंह को लुटेरों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का निर्देश दिया था जिन्हें आज सर्विस लांस प्रभारी राजेंद्र सिंह की मदद से कैंपियरगंज पुलिस ने लूटे गए एक अदद मोबाइल पोको कंपनी लूट के 4970 नगद एक अदद पायल 1अदद चांदी का चंद्रमा लॉकेट के साथ चार अभियुक्तों शिवम यादव पुत्र राम आशीष यादव 21 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 6 थाना पीपीगंज गोरखपुर सूरज यादव पुत्र वीरेंद्र यादव 22 वर्ष सुमित जायसवाल पुत्र जगन्नाथ जयसवाल 26 वर्ष निवासी अकटहवा थाना पीपीगंज

विकास वर्मा पुत्र राम शंकर उम्र 42 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 7 थाना पीपीगंज को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त किया वादी प्रिंस अग्रहरि कैंपियरगंज थाने पर मुकदमा अपराध संख्या 386/2022 धारा 392, 411 भादवी पंजीकृत कराया था अभियुक्तों को महावन खोर रेलवे क्रॉसिंग के पास से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त किया। महिला 3 सितंबर को अपने व्यापारी पति के साथ शहर से इलाज कराकर लौट रही थी। महिला के मुताबिक, बैग में 40 हजार दो सौ रुपये नकद, लॉकेट और मोबाइल फोन था। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ लूट की धारा में केस दर्ज कर लिया गया था। महराजगंज जनपद के बृजमनगंज थाना क्षेत्र के धानी बाजार निवासी प्रिंस कुमार अग्रहरि 3 सितम्बर को पत्नी ज्योति अग्रहरि के साथ 15 माह के बच्चे मानविक अग्रहरि को डॉक्टर को दिखाने गोरखपुर गया था वापस आते समय रात करीब 9 बजे कैंपियरगंज के रामचौरा के पास पहुंचे थे कि बाइक सवार बदमाशों ने पीछे से छपट्टा माकर पत्नी का बैग लूट लिया। बैग में 40 हजार 2 सौ रुपये, मोबाइल फोन व बच्चे का चांदी का लॉकेट था। जो लुटेरों के पास से बरामद कर लिया गया। गिरफ्तार करने वालों में प्रमुख रूप से प्रभारी निरीक्षक कैंपियरगंज रंजीत सिंह वरिष्ठ उप निरीक्षक राकेश कुमार सिंह उप निरीक्षक कमलेंद्र सिंह उप निरीक्षक अतुल तिवारी कांस्टेबल एकांश सिंह कांस्टेबल सोनू यादव का मनीष मौर्य कांस्टेबल चालक चंद्र प्रकाश तिवारी सर्विस लांस प्रभारी राजेंद्र कुमार सिंह व उनकी टीम सम्मिलित रहे।

क्यों मनाया जाता है जितिया (जीवित्पुत्रिका) व्रत

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर के भदवा भिदूर मोहनदासपुर कैथोर में महिलाएं गोमती नदी के तट के समीप जितिया का पूजा अर्चना किया और महिलाओं ने जितिया का कथा कहा सबसे पहले यह जानना जरूरी है कि जितिया का यह व्रत क्यों महत्वपूर्ण हैं? धार्मिक

मान्यताओं के अनुसार, जिनको लंबे समय से संतान नहीं हो रही है, उनके लिए जितिया का व्रत तप के समान माना जाता है. संतान की आयु बढ़ाने और उन्हें हर तरह का सुख उपलबध कराने की कामना वाली भावना के साथ महिलाएं यह व्रत करती हैं. यह निर्जला व्रत होता है. इस व्रत में नहाय खाय की परंपरा होती है. कई राज्यों में इसे जिउतिया भी कहते हैं. यह व्रत उत्तर प्रदेश समेत बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में मनाया जाता है.

भगवान जीऊतवाहन ने जीवित कर दिये सातों संतान- यह देख भगवान जीऊतवाहन ने मिट्टी से सातों भाइयों के सिर बनाए और सभी के सिरों को उसके धड़ से जोड़कर उन पर अमृत छिड़क दिया. अगले ही पल उनमें जान आ गई. सातों युवक जिंदा हो गए और घर लौट आए. जो कटे सिर रानी ने भेजे थे, वे फल बन गए. जब काफी देर तक उसे सातों संतानों की मृत्यु में विलाप का स्वर नहीं सुनाई दिया तो कपुरावती स्वयं बड़ी बहन के घर गयी. वहां सबको जिंदा देखकर उसे अपनी करनी का पश्चाताप होने लगा. उसने अपनी बहन को पूरी बात बताई. अब उसे अपनी गलती पर पछतावा हो रहा था. भगवान जीऊतवाहन की कृपा से अहिरावती को पूर्व जन्म की बातें याद आ गईं. वह कपुरावती को लेकर उसी पाकड़ के पेड़ के पास गयी और उसे सारी बातें बताईं. कपुरावती की वहीं हताशा से मौत हो गई. जब राजा को इसकी खबर मिली तो उन्होंने उसी जगह पर जाकर पाकड़ के पेड़ के नीचे कपुरावती का दाह-संस्कार कर दिया।

संक्षिप्त खबरें

वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस से उलझा युवक वाहन छोड़ भागा

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर थाना क्षेत्र में मोहाव चौराहे पर पुलिस और चार पहिया वाहन सवार व्यक्तियों के बीच शनिवार की शाम चेकिंग के दौरान कहासुनी हो गई। इस दौरान पुलिस की सख्ती करने पर युवक वाहन छोड़कर भाग निकले। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लिया।चोलापुर थाना प्रभारी दुर्गेश कुमार मिश्रा के अनुसार मुनारी का रहने वाला नागेंद्र यादव अपनी स्कार्पियो मोहाव चौराहे पर बेतरतीब तरीके से खड़ा किया था, पुलिस चेकिंग के दौरान चालान करने की चेतावनी दी। तो वह सब इंस्पेक्टर से विवाद करने लगा। इस बीच कार्रवाई के दौरान स्कॉर्पियो छोड़ कर भाग निकला। वाहन को थाने पर खड़ा कराया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बड़े ही धूमधाम से मनाया गया जन्मदिन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। लालपुर स्थित आनंद धर्मशाला में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का केक काटकर जन्मदिन मनाया गया ` नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिन के अवसर पर उत्तर प्रदेश चेयरमैन आर पी कुशवाहा ,डॉ धर्मेंद्र कश्यप चिकित्सा प्रकोष्ठ जिला उपाध्यक्ष ,डॉक्टर नीलम कश्यप, डॉ एके वर्मा ,डॉ श्याम सुंदर मौर्या , जाकिर अंसारी, सरोज गुप्ता, प्रदीप प्रजापति ,सुनीता पांडेय , यास्मीन बानो ,सोमनाथ गोंड जिला अध्यक्ष सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर निःशुल्क किसानों को सब्जी बीज एवं फलदार पौधे का किया गया वितरण

प्रखर गोरखपुर। पीपीगंज कृषि विज्ञान केंद्र चौक माफी पीपीगंज मे केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री माननीय श्री नरेन्द्र सिंह तोमर द्वारा आनलाइन किसानों को संबोधित किया गया। अपने संबोधन में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन के पुनीत अवसर पर गत वर्ष की भांति 713 कृषि विज्ञान केंद्र पर पोषण अभियान के तहत 2 लाख 12 हजार सब्जी बीज वितरण 8 हजार पौधों का रोपण किया गया। किसानों के हित में चलाई जा रही योजना जैसे फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, किसान सम्मान निधि अन्य चलाए जा रहे योजनाओं के बारे में चर्चा किए। किसानों को संबोधित करते हुए बताया किसान भाई अधिक से अधिक नैनो यूरिया का प्रयोग करें। कार्यक्रम में जैविक फसल प्रजातियाँ पोषण वाटिका एवं खेती बाढी पर वैज्ञानिकों द्वारा चर्चा किया गया। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि संजय सिंह ने अपने संबोधन में महिलाओं को स्वास्थय के प्रति जागरूक रहने व आहार पर ध्यान देने का आग्रह किया। केंद्र प्रभारी एवं अध्यक्ष डॉ विवेक प्रताप सिंह ने सभी का आभार प्रकट करते हुए पोषक वाटिका लगाने का आग्रह किया।इस कार्यक्रम का आयोजन संयुक्त रूप से कृषि विज्ञान केन्द्र चौक माफी गोरखपुर एवं इफको द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख भरोहिया प्रतिनिधि संजय सिंह, केंद्र प्रभारी डॉ विवेक प्रताप सिंह, डॉ अजीत सिंह, डॉ अवनीश कुमार, डॉ श्वेता सिंह, जितेंद्र सिंह, शुभम पांडे, मिथलेश, उप महाप्रबंधक विपरण इफ्को गोरखपुर हरि प्रकाश मल्ल, यस एफ ए सुनील मौर्य व 100 महिला एव पुरुष किसान आदि लोग उपस्थित रहे।

सांगठनिक मजबूती को लेकर एबीपीएसएस की हुई बैठक

प्रखर कुशीनगर। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति (एबीपीएसएस) की एक बैठक कसया नगर स्थित श्रीराम जानकी मठ मन्दिर परिसर में सम्पन्न हुई। बैठक में सांगठनिक मजबूती, पत्रकार उत्पीड़न, सदस्यता अभियान व जिला सम्मेलन कराने पर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष हृदया नन्द शर्मा ने कहा कि संगठन का लक्ष्य प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों के हक में सुरक्षा कानून देश व प्रदेश में लागू हो। इसके लिए संगठन व्यापक स्तर पर अभियान चला रही है। आज के बदलते परिवेश में कलमकारों को निशाना बनाया जा रहा है और जिसका उदाहरण पत्रकार उत्पीड़न के तमाम मामले सामने आ रहे हैं।बिना सुबिधा समाज की सेवा करने वाले मीडिया कर्मियों को किसी ने न्याय नहीं दिया। अपने हक व सम्मान की लड़ाई खुद लड़नी होगी और एकजूट होना होगा, मजबूत होना होगा। जिला महामन्त्री विनोद तिवारी ने संगठन की मजबूती पर चर्चा करते हुए कहा कि पत्रकार अपने अधिकार के लिए आगे आएं। संगठन मंत्री आशुतोष श्रीवास्तव, जिला सचिव मुन्ना कुमार राय, मो. असलम ने पत्रकार उत्पीड़न पर रोक लगाने, स्वास्थ्य बीमा, आयुष्मान कार्ड बनाने, पत्रकारों का टोल टैक्स निःशुल्क करने आदि पर चर्चा की और सदस्यता अभियान को गति देने पर जोर दिया। अध्यक्षता करते हुए तहसील अध्यक्ष सुधाकर उपाध्याय ने संगठन का कोष बनाने पर जोर दिया। अंत में पत्रकारों ने पत्रकार मनोज चौबे के पिता व संगठन के प्रदेश सांस्कृतिक प्रकोष्ठ संयोजक आरके भट्ट की माता के निधन पर शोक जताया। इस दौरान आलोक कुमार तिवारी, जिला कोषाध्यक्ष पवन कुमार शर्मा, सतीश कुमार सिंह, सौरव मणि त्रिपाठी, अब्दुल मजीद, तहसील अध्यक्ष पड़रौना आदित्य दीक्षित, आफताब आलम, मनीष कुमार यादव, संदीप कुमार सिंह, जय प्रकाश सैनी, आनंद सिंह सहित पत्रकार मौजूद रहे।

पुत्र की लंबी आयु के लिए महिलाओं ने किया जिवितपुत्रिका व्रत

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। पुत्र की लंबी आयु के लिए महिलाओं ने कठिन व्रत रखकर रविवार की शाम को जीवित्पुत्रिका का पूजन अर्चन विधि-विधान पूर्वक किया। किंवदंतियों के अनुसार भगवान कृष्ण ने अपने अपने सभी पुन्य कर्मों का फल उत्तरा की अजन्मी संतान को देकर उसके गर्भ में पल रहे बच्चे को पुनः जीवित कर दिया था । भगवान श्री कृष्ण की कृपा से जीवित होने वाले इस बच्चे को जीवित्पुत्रिका का नाम दिया गया तभी से संतान की लंबी उम्र और मंगल कामना के लिए हर वर्ष इस व्रत को करने की परंपरा निभाई जाती है । इसी परंपरा के तहत महिलाओं ने रविवार को दिनभर कठिन व्रत रखकर शाम को जीवित्पुत्रिका की पूजा अर्चना विधि-विधान पूर्वक किया । बता दें कि जिनके घर में कोई शुभ कार्य हुआ रहता है उनके द्वारा जीवित्पुत्रिका के व्रत के दिन डाल भरने की भी परंपरा है । इस परंपरा के तहत गाजे-बाजे के साथ महिलाएं पूजन को जाती हैं और विधि विधान पूर्वक डाल भर्ती हैं । इसी के साथ ही सामान्य पूजा में भी फल ,फूल, केला , पूड़ी हलवा एवं श्रृंगार के सामान इत्यादि जीवित्पुत्रिका की पूजा में चढ़ाए जाते हैं । रविवार को जीवित्पुत्रिका की पूजा अहरौरा नगर सहित आसपास के गांव में महिलाओं द्वारा परंपरागत ढंग से विधि विधान पूर्वक किया गया। वैसे तो इस व्रत को करने की परंपरा किसी जल के किनारे हैं लेकिन पोखरा या नदी के साधन नजदीक न उपलब्ध होने के कारण महिलाओं द्वारा यह व्रत कुआं के पास भी कुशा लगाकर किया जाता है।

सेवा पखवारा के तहत लगाया गया नमो प्रदर्शनी और निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

प्रखर अहरौरा, मिजार्पुर। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में भाजपा सेवा पखवारा मना रही है जिसके अंतर्गत राष्ट्रव्यापी स्तर पर भाजपा संगठन द्वारा सेवा पखवारा के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है, भारतीय जनता पार्टी अहरौरा मंडल द्वारा शनिवार को नगर पालिका परिषद अहरौरा कार्यालय में नमो प्रदर्शनी का आयोजन किया जिसका उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक रमाशंकरसिंह पटेल द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया, तत्पश्चात संगठन द्वारा लगाये गए मोदी चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया इस अवसर पर मडिहान विधायक रमाशंकरसिंह पटेल ने कहा कि आज पूरा राष्ट्र प्रधानमन्त्री जी का कृतज्ञ है जिन्होने आपदा के समय देशवासियो के साथ कुटुंब भाव से अपने जिम्मेदारी का निर्वहन किया वही दूसरी तरफ घरेलू मोर्चो पर आतंकवाद व शत्रु को मजबूती से बैकफूट तर धकेल शत्रु राष्ट्रो को घुटने टेकने को मजबूर कर दिया, रविवार को एक अन्य कार्यक्रम निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन गया जो सीएचसी आहरौरा मे लगाया गया जहा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. अवधेश पटेल ने लोगो का स्वास्थ्य परीक्षण किया, इस अवसर पर जयकिशन

जायसवाल उमेश केशरी विनोद पटेल आशीष अग्रहरि विनोद सोनकर माखन सिंह शाव सिंह आशीष अग्रहरि आनंद अग्रहरि जगत सिंह पारस नाथ अग्रहरि संतोष पटेल वेदप्रकाश भारी कमालुद्दीन अंसारी रमेश बहेलिया आदि कार्यकर्ता रहे।

आईजीएल में धूमधाम से विश्वकर्मा जयन्ती मनाया गया

प्रखर गोरखपुर। गिडा के औद्योगिक क्षेत्र में आईजीएल के बिजनेस हेड एस के शुक्ल के नेतृत्व व मार्गदर्शन में विश्व निमार्ता निखिल ब्रम्हांड के समस्त अभियंत्रण के जनक भगवान विश्वकर्मा के पावन जन्मोत्सव को आईजी एल परिवार ने धूम धाम से सभी कर्मयोगियों संग पूजा ,हवन अनुष्ठान के साथ मनाया इसके बाद उन्होंने कहा की भगवान विश्वकर्मा के पुण्य प्रताप से कम्पनी उत्तरोत्तर तरक्की ,समृद्धि के नए नए सोपान अर्जित कर अविरल बड़ी ऊंचाइयों तक पुहंचाकर जहाँ गोरखपुर जनपद का नाम विश्व पटलपर अंकित कर रही है वही यहां से बेरोजगारी और अशिक्षा को भी दूर कर रही है ।आज के कार्यक्रम में समस्त अधिकारीयों कर्मचारियों के साथ समस्त श्रम योद्धाओं ने पूरे उत्साह उल्लास ,उमंग के साथ जहां भगवान विश्वकर्मा के जय जयकारे लगाए फिर प्रसाद ग्रहण कर भगवान के प्रति कृतज्ञता प्रकट किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता

प्लांट हेड एपी मिश्र ने किया और आयोजन स्थल को भव्य एवं दिव्य बनाने का कार्य तकनीकी हेड शैलेश चंद यादव के साथ मिलकर केएल चौहान ने किया। आयोजन की समस्त सामग्री को प्रशासन विभाग में उपलब्ध कराया और प्रसाद वितरण सहायक मैनेजर अखिलेश शुक्ल ने किया,और पूजा की शुरूआत सहायक महाप्रबंधक एके सिंह ने किया, तथा आयोजन स्थल पर आये सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का स्वागत वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी आत्मा नन्द सिह ने किया और प्रबंधक प्रशासन एवं जनसंपर्क डॉ सुनील कुमार मिश्रा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित एके चतुर्वेदी, रजनीकांत पांडेय, आशीष गुप्ता,लखन त्रिवेदी, अजय तिवारी, शैलेंद्र पांडेय, साक्षी, जगदीश चंद धाकड़,कविता दुबे,और भारी संख्या में शर्मिक मौजूद थे।

खत्री युवा सभा द्वारा लगाया गया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर ,स्वास्थ परिक्षण एवं जरुरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। समाजसेवा एवं मानवसेवा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए खत्री हितकारिणी युवा सभा द्वारा लायंस शिशु विहार विद्यालय पांडेयपुर नयी बस्ती के परिसर में 18 सितम्बर रविवार को बृहद स्तर पर स्वस्थ शिविर का आयोजन हुआ एवं आवश्यकता अनुसार निःशुल्क दवाओं का वितरण भी युवा सभा द्वारा किया गया। शिविर के मुख्य अतिथि खत्री मनीष टंडन (सर्किल हेड, HDFC बैंक) व विशिष्ठ अतिथि खत्री रोहित कपूर जी रहे। इस शिविर में बड़ी संख्या में बच्चों सहित आस पास के बस्ती निवासियों ने भी इस शिविर का लाभ उठाया मानव सेवा को अपना परम धर्म मानने वाले खत्री समाज के ओजस्वी डॉक्टर अम्बर भाटिया, डॉक्टर हीना मेहरा एवं डॉक्टर सुदेश कुमार खन्ना ने सभी मरीजो की जाँच व इलाज किया` डॉक्टर अम्बर भाटिया ने कहा की वह इस प्रकार की मानव-सेवा को अपना परम धर्म मानते हैं तथा वह सदैव ही अपनी संस्था द्वारा किये जा रहे सेवा कार्यों के लिए तन मन धन से समर्पित हैं स्वास्थ शिविर में आये हुवे सभी डॉक्टरों एवं अतिथियों का स्वागत खत्री युवा सभा के अध्यक्ष नितिन टंडन ने किया एवं नितिन टंडन ने कहा की मानव हित के लिए आयोजित ये

मेडिकल कैंप संस्था के मूल सिद्धांतों का अनुसरण है तथा स्वस्थ भारत निर्माण में हमारी संस्था के द्वारा की गयी एक छोटी कोशिश है` संस्था के संरक्षक राजीव खन्ना ने कहा की मानवसेवा करना एक पुण्य का काम है एवं खत्री युवा सभा सदैव इस मार्ग पर अग्रसर रहेगी` महामंत्री गुंजन कपूर ने सादर आभार व्यक्त किया सभी चिकित्सकों का जिन्होंने छुट्टी का दिन होने के बावजूद अपना बहुमूल्य समय संस्था के इस जनसेवा कार्य में समर्पित किया कोषाध्यक्ष विवेक खन्ना ने कहा की खत्री युवा सभा पूर्ण संकल्पित है सर्व-समाज के प्रति अपने कर्तव्यों के लिए तथा इस प्रकार की मानव-सेवा हमारी संस्था आगे भी करती रहेगी` अध्यक्ष के सलाहकार सी.ए. अतुल सेठ ने आयोजित इस शिविर पर अपार खुशी व्यक्त की एवं संस्था द्वारा हो रहे सेवाकार्यों की जमकर तारीफ की इस स्वास्थ शिविर में युवा सभा के कर्मठ एम् कार्यकारिणी सदस्य खत्री प्रशांत कपूर, खत्री राहुल पुरी, खत्री प्रियंक मेहरोत्रा, खत्री विवेक कपूर, खत्री अरुण आहूजा,खत्री समीर भसीन, खत्री राहुल खनेजा, खत्री आशुतोष बेहेल, खत्री विनम्र कपूर, खत्री अमित कपूर, खत्री गौतम अरोड़ा, खत्री हिमांशु भोला, खत्री नमन कपूर, खत्री प्रवीण मेहरोत्रा, खत्री राज ग्रोवर, खत्री शिवम् सेठ, खत्री विक्रम बर्मन,खत्री अमित वासुदेवा एवं गणमान्य खत्री बंधुओं ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को सम्पादित किया।

महाहर धाम को पर्यटन स्थल बनाने को केंद्रीय मंत्री ने लिखा पत्र

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। लोकसभा गाजीपुर की प्रवासी जनप्रतिनिधि तथा केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी अपने दूसरे दौरे के तीन दिवसीय प्रवास के दौरान विगत 31अगस्त को भाजपा जिलाध्यक्ष भानुप्रताप सिंह के आग्रह पर मरदह ब्लाक के धार्मिक,ऐतिहासिक और पौराणिक स्थल ह्रमहाहर धामह्व का भ्रमण कर दर्शन, पूजन और रूद्राभिषेक किया तथा वहाँ के प्रकृति का अवलोकन कर स्थलीय विशिष्टता से परिचित हुई। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा ने रविवार को एक विज्ञप्ति मे बताया कि इस अवसर पर स्थानीय शिव मंदिर सेवाश्रम समिति महाहर के लोगों द्वारा केन्द्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी को ह्रमहाहर धामह्व को पर्यटन स्थल के रुप मे विकसित करने का एक मांग पत्र दिया गया था। जिसे संज्ञान मे लेकर केन्द्रीय मंत्री ने विगत 16 सितम्बर को आवश्यक कार्यवाही हेतु उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह को पत्र लिखकर कहा है। इस बात की जानकारी मा मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने जिलाध्यक्ष भानुप्रताप सिंह को पर्यटन मंत्री को लिखे पत्र की कापी उपलब्ध करा कर दी है।

मनोज लाल यादव का माटी के मूर्ति से हसेली मईया गाना हुआ वायरल

प्रखर दानगंज वाराणसी। भोजपुरी के बेहतरीन एक्टर गायक मनोज लाल यादव का नवरात्र देवी गीत अपने चैनल से रिलीज किया है।मनोज यादव हमेशा एक से बढ़ कर गीत अपना रिलीज करते रहते है। उन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार व आशीर्वाद मिलता रहता है।नवरात्र का महिना शुरू होने वाला है। उसके पहले ही मनोज लाल यादव ने माटी के मूर्ति से हसेली मईया गाने को रिलीज किया है। जो गाना युपी बिहार में वायरल हो गया है। आपको बता दे कि अभी मनोज लाल यादव ने अनेकों गाने को रिलीज किया। मनोज लाल यादव ने एक से बढ़कर एक गाने को रिलीज किया है। जिसको दर्शकों द्वारा अपार सफलता मिलती रहती है। उसमें एक नवरात्र का गाना माटी के मूर्ति से हसेली मईया को भी रिजील किया हुआ है। जो कि पहले दिन में काफी लोगों ने इस गाने को सुना और अपना प्यार व आशीर्वाद दिया हैं।इस गाने को हर एक सोशल ऐप से बहुत प्यार मिल रहा है। इसको अपने आवाज से सजाने वाले मनोज लाल यादव है।मनोज लाल यादव ने इस गाने से पहले भी बहुत सारे गाने मिलियन में चल रहे है। मार्केट में कई ऐसे गाने है जो कि अभी भी मार्केट में धूम मचा रहे है। इस गाने को अपने कलम से लिखे है हरेंद्र हरियाली, इस गाने को संगीत दिए है अभिराम पाण्डेय,वीडियो अभिषेक तिवारी है।

एडिटर मुरली जी,डी.ओ.पी सुनील यादव, क्रिएटिव हेड एस के आनंद यादव, प्रोजेक्ट डिजाइन सोनू सिंह है। भरपूर आशीवार्द समर सिंह जी का है। माटी के मूर्ति से हसेली मईया गाना मनोज लाल यादव ऑफिशियल से रिलीज हुआ है। अभी आज ही वीडियो रिलीज हुआ है। और काफी प्यार आशीर्वाद मिल रहा है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने कराया मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण

प्रखर मिजार्पुर। स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष विपुल सिंह और मंडल अध्यक्ष ज्ञानेश्वर दुबे के नेतृत्व में मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने स्थानीय नागरिकों का निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार स्वास्थ्य परीक्षण कराया प्राप्त जानकारी के अनुसार निर्धारित समय पर मंडल उपाध्यक्ष संजीव केसरी युवा मोर्चा के जिला कोषाध्यक्ष धीरज केसरी पूर्व किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता श्याम बहादुर सिंह संतोष सिंह,रामकृष्ण राय संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता तारकेश्वर केसरी सहित दर्जनों पदाधिकारी कार्यकर्ता प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर एकत्रित हुए और क्षेत्र के नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया पर नियुक्त स्टॉप राकेश पटेल ,रिंकी श्रीमती हीरावती, अरविंद पटेल सहित वहां पर नियुक्त स्टाफ ने जांच में सहयोग किया मरीजों का संवेदनशीलता के साथ उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया और उन्हें सकारात्मक सुझाव दिए आश्वासन दिया कि उनको जो भी स्वास्थ्य संबंधी समस्या है उसका निदान हो जाएगा इसी के साथ स्टाफ ने भाजपा पदाधिकारियों से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की समस्याओं के बारे में जानकारी दिया वहां पर एक सबसे बड़ी समस्या है की बरसात के दिनों

में पानी निकलने की सही व्यवस्था ना होने के कारण गंदा एवं प्रदूषित पानी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं स्टाफ के आवास में घुस जाता है जिस कारण जहरीले जंतु के कारण स्वास्थ्य एवं जान का खतरा है इस अवसर पर ग्राम प्रधान कौशलेंद्र गुप्ता भी उपस्थित रहे वहां पर उपस्थित लोगों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की समस्याओं को जल्द ही निवारण करने का आश्वासन दिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में सैकड़ों लोगों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया ज्ञात हो जो स्टाफ का ट्रांसफर हुआ है उनकी नियुक्ति अभी तक नहीं हो पाई है और ड्रमंडगंज व हलिया से संबंधित जो भी ANM के ट्रांसफर हो गए थे वह अपनी जुगाड़ बना कर यथास्थिति पर बरकरार विराजमान है जबकि यह संवेदनशील इलाका है खतरनाक दुर्घटना घाटी है आए दिन घाटी में दुर्घटनाएं होती रहती हैं इसलिए जल्द ही रिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति हो।

फिल्म थैंक्स गॉड के खिलाफ कायस्थ समाज ने खोला मोर्चा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं देश के पूर्व गृह राज्य मंत्री माननीय सुबोध कांत सहाय जी के आह्वान पर फिल्म भगवान श्री चित्रगुप्त जी का अपमान करने एवं उपहास उड़ानें वाली फिल्म थैंक गॉड के खिलाफ महासभा के कार्यकताओं ने सरजू पांडे पार्क में धरना देकर विरोध दर्ज कराया और अभिनेता अजय देवगन की तस्वीर जलाकर अपना आक्रोश व्यक्त किया। इस अवसर पर महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने सभी देशवासियों से अजय देवगन द्वारा अभिनीत फिल्म थैंक गॉड का बायकॉट करने का आह्वान किया । उन्होंने बताया कि इस फिल्म का जो ट्रेलर जारी किया गया है उसमें हम सबके आराध्य देव भगवान श्री चित्रगुप्त जी को अत्याधुनिक वेशभूषा में दिखाकर उन्हें मजाकिया अंदाज में दिखाया गया है।जो कायस्थ समाज को स्वीकार्य नहीं है। उनके द्वारा बोले गए डायलॉग भी अशोभनीय है। उन्होंने कहा कि भगवान श्री चित्रगुप्त जी का अपमान पूरे हिंदू समाज का अपमान है। सम्पूर्ण चराचर सृष्टि के रचयिता परमपिता ब्रह्मा के मानसपुत्र , बुद्धि, ज्ञान और विवेक के दाता कायस्थों के सर्वेसर्वा भगवान श्री चित्रगुप्त जी का अपमान केवल कायस्थों का ही नहीं पूरे हिंदू समाज का अपमान है। उन्होंने कहा कि हिंदू देवी देवताओं का अपमान करना, उन्हें बेढंगे तरीके से दिखाना मानो वालीवुड का शगल बन गया है।

उन्होंने कहा कि जब तक थैंक गॉड फिल्म से आपत्तिजनक दृश्य को काटा नहीं जायेगा और डायलॉग में परिवर्तन नहीं होगा तब तक थैंक गॉड फिल्म के साथ साथ वालीवुड का भी बहिष्कार किया जायेगा। उन्होंने कहा कि कायस्थ समाज भगवान श्री चित्रगुप्त जी का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा । यदि फिल्म से आपत्तिजनक दृश्य हटाया नहीं गया और डायलॉग में परिवर्तन नहीं किया गया तो कायस्थ महासभा का आंदोलन निरन्तर चलता रहेगा । उन्होंने कहा कि दिनांक 20सितम्बर को दोपहर 12बजे इस सवाल को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन भी सौपेंगी । इस अवसर पर मुख्य रूप से मुक्तेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव, विपिन बिहारी वर्मा, एम एल सी आशुतोष सिन्हा के प्रतिनिधि पप्पू लाल श्रीवास्तव,शैल श्रीवास्तव,ओम प्रकाश श्रीवास्तव, पियूष श्रीवास्तव, सुनील दत्त श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव,सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, अमरनाथ श्रीवास्तव, राजेंद्र अस्थाना,विवेक श्रीवास्तव, कमल प्रकाश श्रीवास्तव, अश्वनी श्रीवास्तव,गौरव श्रीवास्तव, परमानन्द श्रीवास्तव, अनूप श्रीवास्तव, अवनीश वर्मा, राजेश कुमार श्रीवास्तव,आनन्द श्रीवास्तव, अरुण सहाय, अमर सिंह राठौर, चन्द्रप्रकाश श्रीवास्तव, अनूप श्रीवास्तव, अश्वनी श्रीवास्तव, ब्रम्हानंद श्रीवास्तव, दीपक श्रीवास्तव, विजय प्रकाश श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव, शिवम् श्रीवास्तव, राजीव श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अजय कुमार श्रीवास्तव ने किया।

अल्पना कांडपाल

फिलहाल, सिनेमाघरों में और सिनेमाघरों के बाहर, ब्रह्मास्त्र पार्ट 1 शिवा के सिनेमाघर खाली होने और हाउसफुल होने के ब्रह्मास्त्र, वानरास्त्र और आग्नेयास्त्र छोड़े जा रहे है. इन भरे सिनेमाघरों का जिक्र करते हुए ब्रह्मास्त्र हिट बताई जा रही है और इन्हें खाली दिखाते हुए इसे फ्लॉप भी बताया जा रहा है. इस अस्त्र युद्ध में भिन्न भिन्न आंकड़ों के अस्त्र छोड़ कर ब्रह्मास्त्र को करण जोहर का सफल अस्त्र बता रहे है.

कमजोर ब्रह्मास्त्र की दुआ- शेष बॉलीवुड और सिनेमाघरों के इस युद्ध से कोई सम्बन्ध नही. ब्रह्मास्त्र द्वारा 401 करोड़ के मुकाबले 134 करोड़ का नेट फिल्म को कैसे हिट बना देता है, इसका फार्मूला तो ट्रेड पंडित ही बता सकते है. परन्तु, ब्रह्मास्त्र के 401 करोड़ के बजट बजट की तुलना में कापफी कम यानि 10 करोड़ के बजट पर बनी सनी देओल, दुलकर सलमान, श्रेया धन्वन्तरी और पूजा भट्ट की फिल्म चुप द रिवेंज ऑफ़ आर्टिस्ट और 20 करोड़ के बजट से बनी खुशाली कुमार की पहली फिल्म धोखा राउंड द कार्नर को कुछ पर्दो की दरकार है, ताकि वह दिखा सकें कि उनमें कितना है दम. इसलिए यह फ़िल्में बेशक ब्रह्मास्त्र के अस्त्र को भोथरा नही बताएं, पर यह तो जरूर चाहेंगी कि वॉक्स ऑफिस पर ब्रह्मास्त्र थोड़ा कमजोर साबित हो ताकि उन्हें कुछ भी शो मिल सकें.

कुकी की लिंर- धोखा राउंड द कार्नर के निर्देशक कुकी गुलाटी का लिंर से लगाव है. उनकी पहली फिल्म प्रिंस एक्शन लिंर थी. विवेक ओबेरॉय की मुख्य भूमिका वाली 2010 में प्रदर्शित प्रिंस को बड़ी असफलता मिली. इसके बाद, कुकी को अगली फिल्म के लिए 12 साल का इंतज़ार करना पड़ा. परन्तु कुकी की फाइनेंसियल लिंर फिल्म द बिग बुल को बड़े परदे नसीब नही हुए. हर्षद मेहता पर यह फिल्म डिज्नी प्लस हॉट स्टार पर स्ट्रीम हुई. अब उनकी तीसरी फिल्म धोखा सिनेमाघरों पर प्रदर्शित होने जा रही है, कुकी चाहेंगे कि इस बार दर्शक उन्हें धोखा न दें.

लिंर की तलाश में दर्शक- वास्तविकता है कि 23 सितम्बर का सप्ताह छोटे बजट की फिल्मों के लिहाज से महत्वपूर्ण है. तब तक ब्रह्मास्त्र का तेज कम हो चुका होगा. दर्शक किसी लिंर फिल्म की तलाश में हो सकते है. ऐसे में चुप और धोखा इन्हें राहत दे सकती है. क्योंकि, जहाँ चुप द रिवेंज ऑफ़ आर्टिस्ट साइकोलॉजिकल लिंर फिल्म है, वहीँ धोखा राउंड द कार्नर मिस्ट्री लिंर फिल्म है. इनका लिं दर्शकों को आकर्षित कर सकता है. अगर इन्हें परदे मिल पायें.

लिंर को विदेशी चुनौती- देखने वाले बात होगी कि साइकोलॉजिकल लिंर का सस्पेंस लिंर फिल्म से टकराव परदे पर क्या रंग लाता है. क्या यह लिंर फ़िल्में में इतना लिं पड़ा कर सकेंगी कि वह ढाई घंटे तक सीटों पर चिपके रह सके और बाहर निकल कर दूसरे दर्शकों क भी टिकट खरीदने के लिए उत्साहित कर सकें? जवाब देना आसान नही होगा. क्योंकि, इन दोनों फिल्मों को दो विदेशी फिल्मों से चुनौती मिल सकती है. यह दो फ़िल्में हॉलीवुड की 2009 में प्रदर्शित फिल्म अवतार का उच्चीकृत संस्करण और भारत-नेपाल सहकर से बनी पहली नेपाली- हिंदी फिल्म प्रेम गीत 2 है. अवतार से भारतीय दर्शक परिचित है. वह इसे उच्च तकनीक में देखना भी चाहेंगे. अपने शीर्षक के विपरीत प्रेम गीत 3 रोमांटिक नही बल्कि पीरियड एक्शन फिल्म है.

अवतार 75 रुपये में- स्पष्ट है कि चुप द रिवेंज ऑफ़ आर्टिस्ट और धोखा राउंड द कार्नर के लिए दर्शक बटोरने का अच्छा अवसर है. परन्तु यह अवसर शतप्रतिशत होता अगर अवतार ने चुनौती नही पैदा कर दी होती. अवतार को उच्च तकनीक में प्रदर्शित करने के बावजूद चाहते है कि हिंदी फिल्म दर्शक उनकी अवतार को देखे. क्योंकि इस फिल्म की सीक्वल फिल्म अवतार द वे ऑफ़ वाटर तीन महीने बाद 16 दिसम्बर को प्रदर्शित होने जा रही है. दिलचस्प स्थिति बन गई है कि अवतार अधिक से अधिक दर्शक देख सकें इसलिए इसकी प्रवेश दरें 75 रुपये तक सीमित कर दी गई है.कौन दर्शक इन गर्मियों में ठंडे सिनेमाघरों में तीन घंटों तक अवतार का मजा लिए, वह भी 75 रुपये में!

सनी देओल की चुप

कुछ ऐसा ही सनी देओल और दुलकर सलमान भी चाहेंगे कि उनकी फिल्म चुप के सिनेमाघरों पर चुप यानि साइलेंस न छाया रहे. दर्शकों की उत्तेजनात्मक सीपियाँ सुनाई दें. साइकोलॉजिकल लिंर चुप से निर्देशक आर बल्कि की कोई 4 साल 7 महीने बाद वापसी हो रही है. उनकी पिछली फिल्म पैडमैन थी. चुप की स्टार कास्ट निर्देशक के लिहाज से अनोखी है. बॉलीवुड के एक्शन किंग सनी देओल मलयालम फिल्मों के रोमांटिक हीरो दुलकर सलमान के साथ है. फिल्म में सनी देओल निरंतर हो रही हत्याओं के रहस्य को सुलझाने में जुटे पुलिस अधिकारी की भूमिका में है. रोमांटिक दुलकर सलमान के पल्ल ऐसे कलाकार की भूमिका पड़ी है, जो समीक्षकों का शिकार है और उनकी हत्या करने से पहले उनके माथे पर सितारे बना देता है. इस फिल्म से बॉलीवुड अभिनेत्री पूजा भट्ट डेढ़ दशक बाद वापसी कर रही है. उनकी मेहमान भूमिका वाली फिल्म सड़क 2 ओटीटी पर प्रदर्शित हुई थी. बतौर नायिका फिल्म मिस्टर चालू शूट होने से पहले ही बंद हो गई. उनकी 2009 में प्रदर्शित सनम तेरी कसम भी 15 साल की प्रतीक्षा के बाद प्रदर्शित हुई थी.

बॉलीवुड

डिज्नी पर महाभारत

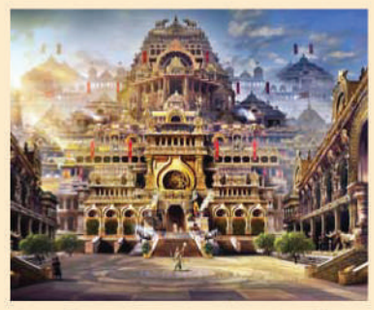

ओटीटी प्लेटफार्म डिज्नी प्लस हॉट स्टार भारतीय दर्शकों को आकर्षित करने के लिए कमर कस चुका है. स्तरहीन हिंदी फिल्मों को प्लेटफार्म पर जगह देने वाला डिज्नी अब स्वयं की सामग्री पर भरोसा करना चाहता है. प्लेटफार्म को मालूम है कि हिन्दू भावनाओं को सहला कर भारतीय दर्शकों में जगह बनाई जा सकती है. इसी दिशा में पहला प्रयास महाभारत है. महर्षि व्यास रचित महाभारत पर यह प्लेटफार्म सीरीज की तैयारी कर रहा है. यह सीरीज कितनी कड़ियों और सीजन की होगी, इसे स्पष्ट नही किया गया है. अभी कलाकारों का चयन भी नही हुआ है. इसके निर्माण से पहले के काम को पूरा किया जा रहा है. देखने वाली बात होगी कि क्या डिज्नी की महाभारत, बीआर चोपड़ा की महाभारत को टक्कर दे पायेगी या एकता कपूर की कहानी हमारे महाभारत की की तरह बिसरा दी जाएगी!

आदिपुरुष का प्रचार

मर्यादा पुरु षोत्तम राम के जीवन पर धार्मिक फिल्म आदिपुरु ष के विषय में अच्छे समाचार है. बताते है कि इसका प्रचार नवरात्रि के पहले दिन राम नगरी अयोध्या से होगा। 26 सितम्बर को फिल्म का टीज़र, आदिपुरु ष में राम की भूमिका करने वाले बाहुबली अभिनेता प्रभास जारी करेंगे। फिल्म के निर्देशक और एक निर्माता ओम राउत फिल्म को पूरी तरह से धार्मिक वातावरण देना चाहते है। प्रभास, 5 अक्टूबर को दिल्ली के लालकिला खेली जाने वाली लवकुश रामलीला में रावण दहन करेंगे। यह 500 करोड़ के बजट की भारत की महँगी फिल्मों में से है। हिंदी और तेलुगु भाषाओँ में साथ शूट फिल्म को दूसरी भाषाओँ में डब कर अखिल भारतीय स्तर पर 12 जनवरी 2023 को प्रदर्शित किया जाएगा।

दलपति के साथ संजय दत्त

शमशेरा जैसी भारी भरकम असफलता के बावजूद संजय दत्त के खलनायक का क्रेज अब दक्षिण के फिल्मकारों के सर पर चढ़ कर बोल रहा है. साहिब बीवी और गैंगस्टर 2, कलंक, प्रस्थानम, पानीपत, सड़क 2, तोरबाज, भुज द प्राइड ऑफ़ इंडिया, पृथ्वीराज और शमशेरा की असफलता के बावजूद केजीएफ चैप्टर 2 के अधीरा पर दक्षिण का विश्वास जम गया लगता है. तभी तो निर्देशक लोकेश कनकराज ने उन्हें एक्टर विजय के साथ अपनी आगामी फिल्म का खलनायक बना दिया है. दलपति विजय के साथ निर्देशक लोकेश की मास्टर के बाद यह दूसरी फिल्म है. अगले साल विजय की फिल्म वरिसु भी प्रदर्शित होने जा रही है. फिल्म दिवाली 2023 में प्रदर्शित होगी. यह फिल्म तमिल के अतिरिक्त हिंदी तथा दूसरी अन्य भारतीय भाषाओँ में भी प्रदर्शित होगी.

महेश बाबू के साथ राजामौली

जहाँ बॉलीवुड की फ़िल्में पैन इंडिया यानि अखिल भारतीय बनने की ओर हैं, वही एसएस राजामौली अब पैन वर्ल्ड अर्थात अंतर्राष्ट्रीय होने जा रहे है. उनकी अगली फिल्म भूपर्यटन यानि ग्लोबल टोटिरिंग फिल्म होगी. अभी तक तेलुगु के बड़े सितारों जूनियर एनटीआर और रामचरण के साथ आर आर आर के साथ फ़िल्में बना चुके राजामौली, पहली बार तेलुगु के अन्य सुपरस्टार महेश बाबू के साथ फिल्म बनाने जा रहे है. कार्यकारी शीर्षक एसएसएमबी29 से शूट होने वाली यह फिल्म मारधाड़ से भरपूर साहसिक एक्शन एडवेंचर फिल्म होगी. इसका कथानक दुनिया के कई देशों में घूमेगा. फिल्म की अधिकतर शूटिंग अफ्रीका में होगी. राजामौली और महेश बाबू जोड़ी की यह फिल्म जेम्स बांड प्रकार के कथानक वाली हो सकती है. इसकी शूटिंग अगले साल जनवरी से प्रारम्भ हो सकती है. महेश बाबू इस समय निर्देशक त्रिविक्रम की मारधाड़ से भरपूर अनाम फिल्म की शूटिंग कर रहे है.

राधिका ने शुरू की सना की डबिंग

शिद्दत और अंग्रेज़ी मीडियम जैसी फिल्मों की राधिका मदान ने अपनी अगली फिल्म सना की डबिंग शुरू कर दी है। सना रिलेशनशिप ड्रामा फिल्म है. यह फिल्म ज़िद्दी और महत्वाकांक्षी महिला सना (राधिका) के इर्द-गिर्द है. सुधांशु सरिया द्वारा निर्देशित और लिखित फ्रेर लाइन एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित सना में पूजा भट्ट, शिखा तलसानिया और सोहम

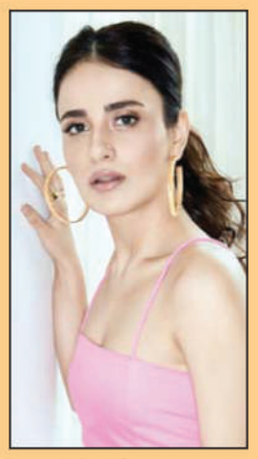

शाह भी है। निर्देशक सुधांशु सरिया, जंगली पिक्चर्स के लिए जासूसी लिंर फिल्म उलज का निर्देशक भी कर रहे है. राधिका ने, विशाल भारद्वाज की सुपर फ्लॉप फिल्म पटाखा से हिंदी फिल्मों में शुरु आत की थी. मर्द को दर्द नही होता में वह अभिमन्यु दासानी की नायिका थी. शिद्दत के बाद, उनकी तीन फ़िल्में कच्चे लिम्बू, होमी अदजानिया की अनाम फिल्म तथा कुत्ते पूरी हो चुकी है.

टीवी

हुमा हैं माधुरी की फैन

सोनी टीवी का - द कपिल शर्मा शो पॉलिटिकल लिंर सीरीज़ 'महारानी 2' के कलाकारों का स्वागत करेगा, जिनमें हुमा कुरैशी, सोहम शाह, अमित सियाल, प्रमोद पाठक, दिब्येंदु भट्टाचार्य और अनुजा साठे शामिल होंगी। होस्ट कपिल शर्मा ने हुमा कुरैशी से अनुभव जानना चाहा। हुमा बताती है, "मैं माधुरी दीक्षित परफॉर्म करते हुए देखती थी और हमेशा मैं उनसे अपनी नजरें नहीं हटा पाती थी। जब मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला, तो मैं नर्वस भी थी और उत्साहित भी। लेकिन वो वड़ी प्यारी इंसान है और पूरा माहौल वड़ा खुशनुमा बना देती थी। वो मुझसे अपने घर और बच्चों के बारे बात करती थी और आम लड़की की तरह पेश आती थी, जैसे कोई आम गृहिणी बात करती है। मैंने उनसे कहा, "आप तो हमारे जैसी हैं? (हंसते हुए)।"

भारती सिंह चाहती हैं बेटा हीरो बने

ज़ी टीवी अपने ज़ी रिते अवर्ड्स के जरिए किरदारों के बीच गहरे रितों का जन मनाया। स्पेाल एपिसोड 'नाच, गाना, हंगामा एंड टैलेंट' होस्ट करके ुरुआत की! जहां स्कोर देने के लिए अनु मलिक और भारती सिंह मौजूद थीं। भारती ने बताया, ''मैं हाल ही में मां बनी हूं और ज्यादातर समय मैं सोचती रहती हूं कि मेरा बेटा बड़ा होकर क्या करेगा और किस तरह का इंसान बनेगा। आप (गुन पांडे) मल्टी-टैलेंटेड इंसान हैं, अलराउंडर हैं। आप गा सकते हैं, डांस कर सकते हैं, एक्टिंग कर सकते हैं और म्यूज़िकल इंस्ट्रूमेंट्स बजा सकते हैं। यदि मेरा बेटा लक्ष्य आपका सिर्फ 10 प्रतिात भी बन पाया, तो मुझे लगता है कि मैं और हर्ष यह मानेंगे कि हमने सबकुछ हासिल कर लिया है।

"त्रिशा को कहानियां सुनाती हूं"- नेहा सरगम

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन की पौराणिक कथा, यशोमती मैया के नंदलाला में नंदलाला (त्रिशा सारडा) माखन चुराते रहते हैं। यशोदा मैया (नेहा सरगम) शिक्षिका की भूमिका निभाती नजर आएंगी। सरगम कहती है, ''त्रिशा बड़ी मेहनती है और उसके साथ

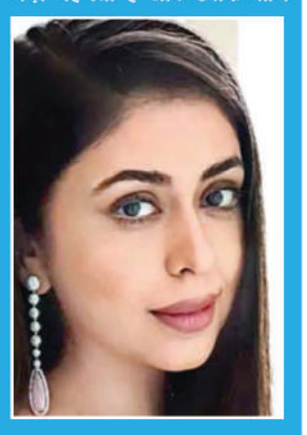

काम करना हमेशा मजेदार होता है। त्रिशा बच्ची है इसलिए मैं उसे भगवान कृष्ण की कहानियां सुनाती हूं। वो उन्हें सुनना पसंद करती है। बच्चे को पौराणिक कथाओं से गहराई से जुड़े देखना खुशी की बात है।''

अनोखी प्रेम कहानी शेरदिल शेरगिल

मनमीत शेरगिल निडर महिला है, जो अपनी सारी जिंदगी समाज की रूढ़ियों से लड़ती रही है। राजकुमार यादव, कॉमेडियन बनना चाहते हैं, लेकिन उन्हें शिक्षा आर्किटेक्ट की मिली है, उनमें जुगाड़ करने की चतुराई है। 'कलर्स' का लेटेस्ट शो 'शेरदिल शेरगिल' मनमीत और राजकुमार की कहानी है, जो एक दूसरे से बिल्कुल अलग है। 'शेरदिल शेरगिल' का प्रीमियम 26 सितंबर को होगा। सुरभि चंदना ने कहा, "मैं शेरदिल हूँ, मनमीत जितनी ही महत्वाकांक्षी हूँ, सेल्फमेड हूँ, और दृढ़निश्चित हूँ

जज करने से मना किया

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का सिंगिग रियलिटी शो, इंडियन आइडल - सीजन 13, में कंटेस्टेंट से नेहा कक्कड़ ने जज करने से इनकार कर दिया! लखनऊ के कंटेस्टेंट विनीत सिंह को जज करने से इनकार कर दिया था। पता चला कि विनीत उनसे सीनियर ही नही बल्कि बेहतरीन सिंगर भी है। नेहा ने कहा, " शो में विनीत सिंह मुझसे आगे रहे थे और वो शो के स्टार थे। इस तरह वो मेरे सीनियर बन गए और आज, मैं उन्हें जज नहीं कर सकती।"

हुश हुश के ट्रेलर

प्राइम वीडियो ने अमेज़ॉन ओरिजिनल, हुश हुश का ट्रेलर जारी किया। रहस्यों, सन्देह और नाटक से भरपूर, हुश हुश ट्रेलर चार दोस्तों के जीवन की झलक है- लॉबिस्ट इशी संघमित्रा (जूही चावला), पूर्व खोजी पत्रकार साइबा त्यागी (सोहा अली खान), फैशन डिजाइनर जायरा शेख (शहाना गोस्वामी) और सताई हुई डॉली दलाल (कृतिका कामरा), है। उनका जीवन उल्ट हो जाता है जब बुद्धिमान पुलिस गीता (करिश्मा तन्ना) रहस्य को सुलझाने के लिए निकलती है जिसमें मीरा (आयशा जुल्का) भी शामिल है।7-एपिसोड की श्रृंखला प्रशंसित निर्देशक तनुजा चंद्रा द्वारा निर्देशित है।

'दूसरी माँ' ममता वाली कहानी

एण्डटीवी 'दूसरी माँ' के लिये मां और बेटे की मशहूर ऑन-स्क्रीन जोड़ी की वापसी होगी। नेहा जोशी यशोदा की भूमिका निभायेंगी और आयुश भानुशाली कृष्णा के रूप में नजर आयेंगे। शो का प्रीमियर 20 सितंबर रात 8 होगा।'दूसरी माँ' उत्तर प्रदेश में अपने पति, दो बेटियों और ससुराल वालों के साथ रह रही महिला की कहानी है। उसका पति अनजाने में अपने नाजायज बेटे को गोद ले लेते हैं। यशोदा पति के अतीत और सौतेले बेटे के साथ मजबूत रिश्ते को दिखाया है।

दर्शन करने पहुंचे अभिषेक

अभिषेक बजाज स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 और चंडीगढ़ करे आशिकी जैसी फिल्मों में सपोर्टिंग परफॉर्मेंस के बाद बबली बाउंसर के साथ पहले लीड रोल के लिए तैयार है। फिल्म में अभिषेक, तमन्ना भाटिया के साथ नजर आएंगे। अभिषेक ने कहा, "मैं बप्पा को धन्यवाद देना चाहता था। बप्पा विघ्नहर्ता है। इसलिए मैं उनसे आशीर्वाद लेना चाहता था। मैं बहुत आभारी हूं।"

रेमो के लिए बॉस्को

डीआईडी सुपर मॉम्स में स्पेशल ट्रीट है, बॉस्को को फिल्म निर्देशन में उतरने के लिए प्रेरित किया। बॉस्को बताते है, "रॉकेट गैंग पहली फिल्म है, जिसका मैं निर्देशन कर रहा हू और मुझे पता है कि रेमो इस बात को समझते है कि फिल्म बनाने में कितनी मेहनत लगती है। कोरियोग्राफर से निर्देशक बनने का सफर तय किया है यकीनन हम जैसे कई लोगों को प्रेरित किया है। ।"

पीआर स्टंट की ईशा

अभिनेत्री ईशा गुप्ता चित्रों से हॉट है. 2012 में महेश भट्ट की फिल्म जन्नत 2 से डेब्यू करने वाली ईशा गुप्ता ने 2012 में राज डी और चक्रव्यूह से झंडे गाड़ दिए थे. बाद में वह टेम्पो नही बना सकी. उनकी फिल्में बादशाहों और कमांडो 2 पाच साल पहले प्रदर्शित हुई थी. उसके बाद तो वह फिल्म पलटन और टोटल धमाल तथा दक्षिण की फिल्मों में कैमियो करती दिखाई दी. उनकी अमीषा पटेल के साथ फिल्म ब्लैंक मैजिक का कोई पता नही है तथा हेरा फेरी 3 का बनना भी पीआर स्टंट लगाने लगा है.

गौहर ने सीखी घुड़सवारी

एमएक्स प्लेयर पर रिलीज़ होने जा रही ओरिजिनल सीरिज़ शिक्षा मंडल...इंडियाज बिगेस्ट एजुकेशन स्कैम के लिए गौहर खान ने घुड़सवारी सीख ली, वो भी महज़ एक दिन में। गौहर ने कहा, "मैंने काफी स्टंट किए है। शो में मैं घुड़सवारी कर रही हूँ और मुझे नही पता था कि घोड़े की सवारी कैसे की जाती है। मैंने घुड़सवारी सीखी। सच कहूँ तो यह बहुत मुश्किल था, लेकिन उपलब्धि का अहसास हुआ।"

शगुन को मिला सरप्राइज

इंडियन आइडल - सीज़न 13 में सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर 'मौसम म्यूज़िकाना' है। झारखंड के कंटेस्टेंट शगुन पाठक गायकों के परिवार से हैं। हिमेश रेशमिया ने कहा, ''आपका 'सुर', आवाज़, परफॉर्मेंस, व्यक्तित्व, अभिव्यक्ति और आत्मविश्वास अद्भुत था। आप परफेक्शन का परफेक्ट उदाहरण है। आपको बहुत आत्मविश्वास और क्षमता की आवश्यकता होती है और आपने शानदार काम किया है।"

झटपट लोन

के मकड़जाल से रहें दूर

बीते कुछ महीनों में ऐप के जरिए झटपट लोन का चलन काफी तेजी से बढ़ा। लोगों ने ऐप के जरिए लोन हासिल किया लेकिन बाद में उनके साथ जिस तरह की घटनाएं हुईं उसे देखकर सरकार सतर्क हुई और इन ऐप्स पर शिकंजा कसना शुरू किया। सरकार द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई के बाद इन सारे ऐप्स को फर्जी मंजूरियां दिलाने वाला मास्टमाइंड व्यक्ति पुलिस की गिरफ्त में आ ही गया। अब सरकार इन ऐप की जांच कर रही है और बिना लाइसेंस के चलने वाले सभी ऐप को बंद करने की कवायद में जुट गई है। इन ऐप के जरिए जो लोन बांटे गए हैं उनकी वसूली भी ऐप चलाने वाली कंपनियां संभवतः नहीं कर पाएंगी

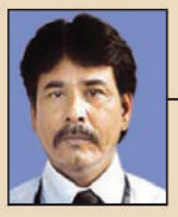

कमाल अहमद रूमी

आर्थिक पत्रकार

कोविड-19 महामारी के दौरान लाखों की संख्या में लोगों की नौकरियां चली गई थीं। ऐसे में उनके पास मासिक आमदनी का कोई भी जरिया नहीं बचा। अब जबकि अर्थव्यवस्था सुधार की राह पर है नई नौकरियां भी निकल रही हैं लेकिन फिर भी काफी संख्या में ऐसे लोग है जिनके पास आज भी जॉब का संकट है। ऐसे लोगों के पास अपनी मूलभूत आवश्यकताएं पूरी करने के लिए भी पैसा नहीं है जिससे मजबूर होकर यह लोग बैंक लोग हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन जॉब न होने के कारण इन लोगों को लोन देने से बैंक साफ मना कर देते हैं। लोगों की इसी मजबूरी का फायदा उठाने के लिए ऐप के माध्यम से लोन देने वाली दर्जनों कंपनियां अस्तित्व में आ गईं। इन कंपनियों में बड़ी संख्या में ऐसी कंपनियां भी थी जो लोन पर मोटा ब्याज वसूली रही हैं और ईएमआई में देरी पर ग्राहकों को मानसिक रूप से प्रताड़ित भी कर रही हैं। फिलहाल ऐप के जरिए लोन मुहैया कराने वाली इन कंपनियों पर सरकार ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इस बीच वित्त मंत्रालय ने भी साफ कर दिया है कि ऐप के जरिए लोन उपलब्ध कराने वाली कुछ कंपनियां तो कहीं से भी पंजीकृत नहीं हैं और पूरी तरह से फर्जी हैं। इस तरह की कंपनियों से जुड़े एक व्यक्ति को बीते दिनों गिरफ्तार भी किया गया है। बताया जाता है कि वही इस तरह की फर्जी कंपनियों को शुरू कराने वाला मास्टरमाइंड है।

कैसे काम करती हैं यह कंपनियां

ऐप के जरिए कर्ज देने वाली यह कंपनियां झटपट लोन उपलब्ध कराने का प्रचार जोर शोर से करती हैं। इन कंपनियों के विज्ञापन देखकर लोग इनके झांसे में आ जाते हैं और लोन के लिए अप्लाई कर देते हैं। लोन अप्लाई करते ही यह कंपनियां मंजूरी का मैसेज भेज देती हैं। कर्जदार बहुत खुश होता है कि चलो इतनी जल्दी लोन हो गया अब मुश्किलें दूर हो जाएंगी। लेकिन कर्जदारों को बाद में पता चलता है कि यह कंपनियां उनकी मजबूरी का कैसे फायदा उठाती हैं।

दैनिक आधार पर ब्याज

यह कंपनियां लोन अप्रूव करते ही पहली ईएमआई तो लोन की रकम में से ही काट लेती हैं। उसके बाद अगर कोई ईएमआई एक दिन भी देर से जमा होती है तो काफी लंबी चौड़ी पेनाल्टी भी लगा देती हैं। चूंकि यह कंपनियां दैनिक आधार पर ब्याज वसूलती हैं इसलिए पेनाल्टी की मोटी रकम जुड़ जाने से कर्ज की रकम बढ़ जाती है और दैनिक आधार पर ब्याज लगने से साल दो साल में ही लोन की रकम से दोगुनी हो जाती है। ऐसी स्थिति में कर्जदार इनके मकड़जाल में फंस जाता है। झटपट लोन के चक्कर में इनकी जिंदगी में खटपट शुरू हो जाती है।

कर्जदारों का मानसिक उत्पीड़न

यह कंपनियां कर्जदार की ईएमआई में देरी होने से कर्जदार का मानसिक उत्पीड़न भी करती हैं। कई बार बेचारे कर्जदार को इन कंपनियों द्वारा कर्ज वसूली के ठेकेदारों की गालियां भी सुननी पड़ती हैं। कुछ कर्जदारों ने तो धमकियों की शिकायतें भी दर्ज कराई हैं। कर्ज वसूली करने वाले कर्जदार को इतना प्रताड़ित करते हैं कि तंग आकर कई कर्जदारों द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामले भी सामने आए हैं। इन्हीं सब समस्याओं को देखते हुए वित्त मंत्रालय और रिजर्व बैंक ने अब इन ऐप पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। उम्मीद की जा रही है सरकार के इस कदम से ऐप के जरिए लोन उपलब्ध कराने वाली गिनी चुनी ऐसी कंपनियां ही रह जाएंगी जो रिजर्व बैंक से मंजूरी प्राप्त करके ईमानदारी से अपना काम करना चाहेंगी।

सोशल मीडिया पर करती हैं प्रचार

इस तरह के लोन ऐप चलाने वाली कंपनियां सोशल मीडिया जैसे व्हाट्सऐप, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफार्म के जरिए अपनी लोन योजनाओं का प्रचार करती हैं। इसके अलावा क्रिप्टोकरेंसी और गेमिंग की विभिन्न वेबसाइट और यूट्यूब चैनलों पर भी इनके विज्ञापन दिख जाते हैं।, इनका प्रचार अभियान इतना आकर्षक होता है कि आम आदमी इनके चक्कर में फंस जाता है। कुछ कंपनियों ने तो अपने प्रचार में यहां तक लिखा है कि आवेदन करने के पांच मिनट के भीतर लोन को मंजूरी। किसी दस्तावेज की जरूरत नहीं। लेकिन जब व्यक्ति लोन के लिए अप्लाई करता है तो यह उसका पैन, आधार और बैंक खाता संख्या मांगती हैं उसके बाद ही लोन की रकम खाते में ट्रांसफर करती हैं। ऐसी आशंका भी जताई गई है कि ग्राहक के पैन और आधार के जरिए यह कंपनियां अन्य निजी बैंकों से लोन भी ले सकती हैं। ■

महंगा होगा हेल्थ इंश्योरेंस

नवम्बर 2022 से स्वास्थ्य बीमा खरीदने के लिए केवाईसी प्रक्रिया को अनिवार्य करने का ऐलान किया गया है। हालांकि जीवन बीमा में केवाईसी की अनिवार्यता पहले से ही लागू थी अब इसके दायरे में स्वास्थ्य बीमा पालिसी भी आ गई है। केवाईसी प्रक्रिया पर कंपनियों को अतिरिक्त खर्च करना पड़ेगा इसके चलते नवम्बर से हेल्थ इंश्योरेंस पालिसी खरीदना कुछ महंगा हो सकता है

अपूर्व कुमार दत्त

वीमा विशेषज्ञ

कोरोना महामारी के दौरान और उसके बाद हेल्थ इंश्योरेंस पालिसी खरीदने वालों की संख्या बेतहाशा बढ़ी है। महामारी के दौरान कई ऐसी घटनाएं सामने आई थीं जिनमें आर्थिक स्थिति अच्छी न हो पाने के कारण लोग अपना व अपने परिजनों का समुचित इलाज नहीं करा सके थे जिसके चलते काफी लोगों को अपनी जान भी गंवानी पड़ी थी। इसके चलते लोगों में हेल्थ इंश्योरेंस पालिसी के प्रति रुझान बढ़ा है। अगर आप भी हेल्थ इंश्योरेंस पालिसी खरीदने की योजना बना रहे हैं तो आप एक नवम्बर से पहले यह पालिसी जरूर खरीद लें क्योंकि एक नवम्बर से हेल्थ इंश्योरेंस पालिसी के लिए केवाईसी अनिवार्य हो जाएगा। फिलहाल सामान्य जीवन बीमा पालिसी के लिए केवाईसी के अनिवार्यता थी लेकिन हेल्थ इंश्योरेंस पालिसी खरीदने वालों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इसके लिए भी केवाईसी प्रक्रिया अनिवार्य बनाने का ऐलान किया गया है। केवाईसी अनिवार्य होने से इसके प्रीमियम की दरों में भी कुछ इजाफा हो सकता है।

कितना बढ़ेगा प्रीमियम

ऐसा नहीं है कि स्वावस्थ्य बीमा खरीदने के बाद बीमा कंपनी केवाईसी की प्रक्रिया धीरे-धीरे पूरी करती रहेगी बल्कि हेल्थ बीमा पालिसी बांड का आवंटन भी तभी किया जाएगा जब केवाईसी की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इसके लिए बीमा कंपनी द्वारा केवाईसी प्रक्रिया पूरी करने के एवज में अलग से कुछ शुल्क भी ले सकती है अथवा प्रीमियम की दरों में कुछ इजाफा कर सकती है। इससे पहले प्रीमियम की दरों में इजाफा वर्ष 2020 में किया गया था। तब प्रीमियम की दरों में 40 से 70 फीसद तक की बढ़ोतरी कर दी गई थी जिसके चलते यह पालिसियां काफी महंगी हो गई थीं।

केवाईसी से प्रीमियम क्यों होगा महंगा

स्वास्थ्य अथवा सामान्य बीमा के लिए केवाईसी की अनिवार्यता होने से कंपनियों को इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए अतिरिक्त खर्च करना पड़ेगा। इसके अलावा केवाईसी के प्रचार-प्रसार के लिए समाचार पत्रों, पत्रिकाओं व इलेक्ट्रानिक मीडिया में विज्ञापन इत्यादि भी देना पड़ेगा। इससे कंपनियों पर अतिरिक्त बोझ बढ़ना लाजिमी है और इस अतिरिक्त बोझ को संभवतः वे ग्राहक के सिर पर ही डालेंगी। हालांकि कंपनियां चाहें तो केवाईसी के लिए वे अलग से कुछ एकबारगी शुल्क लेकर प्रीमियम की दरों में वृद्धि को टाल सकती हैं।

क्यों पड़ी केवाईसी की जरूरत

बीमा नियामक इरडा लगातार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत रहता है कि बीमाकर्ता और बीमाधारकों के हितों की रक्षा की जा सके। चूंकि कोरोना के बाद पालिसी खरीदने वालों की संख्या अचानक बढ़ी है इसलिए नियामक चाहता है कि लोग धोखाधड़ी करके कई-कई हेल्थ इंश्योरेंस कार्ड न बनवा लें इसलिए उनकी केवाईसी करना जरूरी हो गया है। बीमा नियामक चाहता है कि बीमा कंपनियों के पास अपने हर ग्राहक का पूरा विवरण हो ताकि आवश्यकता पड़ने पर ग्राहक से संपर्क स्थापित किया जा सके।

वर्तमान में स्वैच्छिक है केवाईसी

मौजूदा समय में जीवन बीमा के अलावा अन्य सभी प्रकार के बीमा के लिए केवाईसी की प्रक्रिया पूरी करना स्वैच्छिक है। लेकिन जिन लोगों ने सामान्य बीमा खरीदते वक्त पहले से ही केवाईसी करा लिया है उनको एक नवम्बर के बाद दुबारा यह प्रक्रिया पूरी नहीं करनी पड़ेगी। अलबत्ता उन्हें अपने पहचान संबंधी दस्तावेजों की छाया प्रति एक बार फिर देनी पड़ सकती है।

वीडियो आधारित केवाईसी

वर्ष 2020 में लॉकडाउन लगने के बाद जीवन बीमा कंपनियों के लिए बीमा खरीदने वाले व्यक्ति की केवाईसी प्रक्रिया पूरी करना आसान नहीं था अतः उस वक्त बीमा नियामक ने ईज आफ डूइंग बिजनेस अभियान के तहत वीडियो आधारित केवाईसी प्रक्रिया की शुरुआत की थी जिसमें ग्राहक घर बैठे अपनी केवाईसी की प्रक्रिया पूरी कर सकता था। कोरोना के बाद जब स्वास्थ्य बीमा की मांग तेजी से बढ़ने लगी तो बीमा नियामक ने एक बार फिर वीडियो आधारित केवाईसी की भी छूट प्रदान कर दी है। बीमा कंपनियां वीडियो आधारित पहचान प्रक्रिया को सेंट्रल डिपाजिटरी सर्विस इंडिया लिमिटेड (सीडीएसएल) के सहयोग से पूरा करेंगी। अगर किसी व्यक्ति ने म्यूचुअल फंड अथवा शेयर बाजार में निवेश के लिए अपनी केवाईसी प्रक्रिया को पहले ही पूरा कर लिया है तो उसको इसकी जानकारी बीमा कंपनी को देनी होगी। ऐसे मामलों में बीमा कंपनी दुबारा केवाईसी प्रक्रिया पूरी करने से छूट प्रदान कर सकती है।

केवाईसी दस्तावेजों की करें सुरक्षा

बीमा खरीदने वाले हर व्यक्ति को चाहिए कि वह केवाईसी दस्तावेजों की सुरक्षा सुनिश्चित करे ताकि इसका दुरुपयोग रोका जा सके। इसके लिए आप अपने दस्तावेजों की छाया प्रति पर बीच में दो लाइनें खींचकर यह लिख सकते हैं कि आपने अमुक कागजात अमुक बीमा कंपनी को केवाईसी प्रक्रिया के लिए उपलब्ध कराए हैं अतः इसका अन्यत्र उपयोग अवैध माना जाएगा। इसके अलावा आधार, पैन, सिबिल, एनएसडीएल जैसी वेबसासटों के जरिए अपने दस्तावेजों की जांच करते रहें। इसके अलावा नाम, पते में बदलाव की सूचना तुरंत अपडेड कराने की कोशिश करें।

आपको याद होगा कि बीते दिनों टीवी धारावाहिक में दिखाई गई सत्य घटना के नाट्य रूपांतरण में पुणे की एक महिला को एक पानी-बताशे वाले ठेले लावारिस पैन कार्ड की छायाप्रति मिल गई। इसके बाद उसने उक्त पैन कार्ड की प्रति के जरिए किराए पर एक मकान लिया और एक आपराधिक घटना को अंजाम दिया। अतः यह अवश्य सुनिश्चित करते रहें कि कहीं आपके केवाईसी दस्तावेज को दुरुपयोग तो नहीं हो रहा है।

गोरक्षपीठाधीश्वर अवैद्यनाथ जी महाराज की पुण्यतिथि मनाई गई

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। विश्व हिन्दू महासंघ द्वारा गोरक्षपीठाधीश्वर अवैद्य नाथ जी महाराज की 8वीं पुण्यतिथि पर पूरे प्रदेश में समरसता हिन्दू का प्राण कार्यक्रम मनाया जा रहा है। इसी के तहत कार्यक्रम का आयोजन शिव मंदिर बैकुठंपुर पोखरे पर किया गया। मुख्य अतिथि प्रदेश महामंत्री गोरक्षा प्रकोष्ठ मनोज प्रजापति ने कहा कि अवैद्य नाथ जी महाराज ने हिन्दुत्व को मजबूत करने और हिन्दुत्व की रक्षा के लिए अभियान चलाया जा रहा था। वर्तमान में गोरक्षपीठाधीश्वर और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा इस संकल्प को आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। साथ में प्रदेश मंत्री सत्य प्रकाश पाण्डेय जी रहे। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मीरजापुर विशाल मालवीय तथा संचालन जिला मंत्री अजय जायसवाल ने किया। इस दौरान संजय पाण्डेय जिला अध्यक्ष वाराणसी , अंकुर श्रीवास्तव, प्रेमनाथ दुबे, दिनेश मोर्य, विपिन सेठ, आशुतोष ओझा, गोप्रकोष्ठ मीरजापुर मिथिलेश मोर्या, जिला मंत्री धमार्चार्य प्रकोष्ठ ओम प्रकाश द्विवेदी, जिला उपाध्यक्ष धमार्चार्य प्रकोष्ठ रामलखन उपाध्याय, मनोज मोर्या ,कृष्णा पाण्डेय मंडल अध्यक्ष अहरौरा, अमित शाह, डा. विद्यासागर विश्वकर्मा, विष्णु चौरसिया, पवन, नमन आदी रहे।

श्रीमद्भागवत कथा का षष्ठम दिवस दिन

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। विकास खण्ड सीखड़ के छितकपुर गाँव मे श्रीमद्भागवत कथा का सात दिवसीय आयोजन किया गया था जिसमे शनिवार को षष्ठम कथा सुनाया गया शाम 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया है जिसमे अगल बगल के गाँव व क्षेत्र के लोगो ने कथा का आनन्द उठाया चंदौली जिला के बरहुआ गाँव से आए कथावाचक प0 शिवम द्ववेदी महाराज ने कथा सुनाते हुए बताया कि इस रास पंचा ध्याई को मात्र श्रवण करने से जो हिर्दय में काम वासना बैठी है ओ हमेसा के लिए निकल जाती है कथा सुनाते हुए बताया कि भगवान श्री कृष्ण ने गोपियों के साथ रास विहार किया उन्होंने बताया कि गोपियां क्या है जब भगवान राम चौदह वर्ष के लिए बन में गए मेरे रघुवर जब दंडक बन से निकलने लगे तो दंडक वन में वास करने वाले जितने भी सन्त थे उन सन्तो ने राम के सोंदर्य को देखा उनके मन मे भावना जगी की हम लोग स्त्री रूप होकर उनकी सेवा करते तो कैसा होता वे ही दंडक वनवासी जो ऋषि ओ सभी ब्रज में गोपी बनकर आए भगवान नारायण वामन रूप लेकर राजा बलि के यहां आए तो वही बलि के यहां रहने वाली जितनी दैत्य कन्याए थी उन कन्याओं ने भगवान को सोंदर्य को देखा और मन मे सोचा कि सखी रूप रख कर भगवान की सेवा करती तो कैसा होता इतना ही नही जब समुद्र मंथन हुआ मन्द्राचल पर्वत जब नीचे की ओर धसने लगा उस समय भगवान कछुआ का रूप लेकर आए भगवान को मत्स्य कन्याओं ने देखा मन मे गोपी भाव जागृत हुई कच्छप भगवान अस्सी हजार कर्मकांड के जो मंत्र है तो सभी ब्रज में गोपी बनकर आ गए शरद पूर्णिमा की रात्रि को भगवान ने गोपियों के साथ रासविहार किया भगवान रास करने लगे तो गोपियों के मन मे अभिमान हो गया कि हम कितने सुंदर है तभी तो भगवान हमारे साथ रासविहार कर रहे है इस अभिमान को देख कर भगवान अंतर ध्यान हो गए भगवान को पुकारते पुकारते गोपियों ने एक गीत गाया जिसका नाम गोपी गीत है कथा सुन लोग मग्न हुए भव्य आरती कर कथा समाप्त हुआ कथावाचक संग सचिन पांडे ,विनीत मालवी,आशीष मिश्रा,वही क्षेत्र से सैकड़ों भगवता कथा प्रेमी मौजूद रहे।

विद्युत की शॉर्ट सर्किट से हुआ बड़ा हादसा मड़हा समेत बकरियां हुई जल कर राख

प्रखर मिजार्पुर। बीती रात थाना अंतर्गत जरहा गांव के पाल बस्ती में महेंद्र सन ऑफ बच्चू के मड़हे में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लगने के कारण मड़हा समेत 55 बकरियां जलकर हुई राख। गरीब असहाय महेंद्र का रो-रोकर हुआ बुरा हाल उसके इनकम का एक जरिया उसकी बकरियां थी जिसे वह बेचता था और उसके घर का परवरिश उन्हीं के कारण होता था। उस गरीब परिवार का एक सहारा बकरियां थी जिसे बेचकर उसके परिवार का भरण पोषण होता था लेकिन अब जितनी भी बकरियां थी सभी जलकर राख हो गई है ।जो भी कमाने का स्रोत था वह सब नष्ट हो गया।

फल खरीदने आई महिला की मोटरसाइकिल हुई चोरी

प्रखर ब्यूरो जखनिया/गाजीपुर। जीवित्पुत्रिका त्यौहार पर रविवार की दोपहर ब्रति महिला कस्बे में फल खरीदने के लिए आई थी। फल खरीदते समय ही उचक्को ने मोटरसाइकिल चुरा ली। कोतवाली भुरकुरा अंतर्गत रामवन गांव की राखी देवी पत्नी राजेश राम निवासी रामबन दोपहर में बाजार में फल खरीदने के लिए आई थी। भीड़ अधिक होने की वजह से सड़क के किनारे मोटरसाइकिल खड़ी कर फल खरीदने लगी। फल लेकर मोटरसाइकिल ढूंढने लगी तब पता चला मोटरसाइकिल गायब है। कस्बे में काफी खोजबीन करने के बाद उसने पुलिस को सूचना दी, जिस पर पिकेट पर तैनात होम गार्डों ने पहुंचकर काफी खोजबीन की लेकिन मोटरसाइकिल का कहीं पता नहीं चला। महिला ने बताया कि उसके पति दिल्ली में प्राइवेट नौकरी करते हैं। वह गांव के लड़के को लेकर फल खरीदने आई थी। जहां उसकी हीरो की एचएफ डिलेक्स मोटरसाइकिल चोरी हो गई। उसने लिखित सूचना पुलिस को दे दी है। इस बारे में प्रभारी निरीक्षक राजू दिवाकर ने बताया कि जानकारी होते ही क्षेत्र की नाकेबंदी कर तलाश की जा रही है।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा युवा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की बैठक सम्पन्न

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा युवा गाजीपुर की करन्डा ब्लॉक के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं की एक बैठक आज दिनांक 16 सितंबर को ग्राम सभा बनगावा के साईं मंदिर पर संपन्न हुई। बैठक में सभी कार्यकताओं ने अपनी अपनी बातों को रखा तथा संगठन को गति देने के लिए आगे भी सुझाव दिए और सबको उसकी जिम्मेदारी भी बांटी गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला जिला अध्यक्ष ने कहा कि संगठन एक ऐसी शक्ति है जो कि हर एक मुसीबत में रात हो या दिन हो खड़ी रहती है। यही एक संगठन है जो अपने कार्यकताओं के मान सम्मान स्वाभिमान के लिए हर लड़ाई लड़ता है तथा उस को अंजाम तक पहुंचाने का कार्य करता है। संगठन के लोगों को किसी भी अन्य ताकत या किसी और नेताओं की जरूरत नहीं होती, क्योंकि संगठन एक परिवार है और परिवार जब एक साथ मिलकर किसी मुसीबत का सामना करता है तो बड़े ही आत्मविश्वास के साथ उसका सामना करता है और उस को अंजाम तक भी पहुंचाने का कार्य करता है। हाल ही में हुई घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि संगठन ने शासन प्रशासन को अपनी ताकत का एहसास कराया है और जो लोग संगठन से नहीं जुड़े हैं वह लोग भी आज संगठन के महत्व को समझने लगे हैं और वह जुड़ना चाहते हैं। हम लोगों का फर्ज बनता है कि उन लोगों को जोड़ें और संगठन की ताकत को बढ़ाएं और आने वाले समय में संगठन के कार्यक्रम की भी चर्चा की गई, जिसमें युवा जिला अध्यक्ष ने कहा कि आने वाले समय में संगठन एक बहुत बड़ी कार्यक्रम की तरफ बढ़ रहा है और उसमें सब लोगों को बढ़ चढ़के हिस्सा लेकर आने वाले कार्यक्रम को सफल बनाना है, जिससे कि पूरे उत्तर प्रदेश में एक मिसाल बन सके, एक इतिहास बन सके। जिसको लेकर सबको अपनी अपनी जिम्मेदारी को निभाना होगा और जिम्मेदारी ही कार्यक्रम को सफल बना सकती है। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष अमित सिंह गोलू, जिला प्रचार मंत्री हर्ष सिंह, मनोज सिंह, नेमा सिंह, पप्पू सिंह, धनंजय सिंह, शुभम सिंह, निलेश सिंह, शिवम सिंह, शुभम सिंह, विवेक सिंह आदि अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिलाओं ने रखा जीवित्पुत्रिका व्रत और किया पूजन

प्रखर पिंडरा वाराणसी। ग्रामीण क्षेत्र में पुत्र की लंबी आयु के लिए महिलाओं ने कठिन व्रत रखकर रविवार की शाम को जीवित्पुत्रिका का पूजन अर्चनविधि-विधान पूर्वक किया। मान्यता के अनुसार भगवान कृष्ण ने अपने सभी पुण्य कर्मों का फल उत्तरा की अजन्मी संतान को देकर उसके गर्भ में पल रहे बच्चे को पुनः जीवित कर दिया था भगवान श्री कृष्ण की कृपा से जीवित होने वाले इस बच्चे को जीवित्पुत्रिका का नाम दिया गया तभी से संतान की लंबी उम्र और मंगल कामना के लिए हर वर्ष इस व्रत को करने की परंपरा निभाई जाती है। इसी परंपरा के तहत महिलाओं ने रविवार को दिनभर कठिन व्रत रखकर शाम को जीवित्पुत्रिका की पूजा अर्चना विधि-विधान पूर्वक किया । मनौती पूरी होने पर परंपरा के तहत गाजे-बाजे के साथ महिलाएं पूजन स्थल पर पहुची और फल ,फूल, केला , पूड़ी हलवा एवं श्रृंगार के सामान इत्यादि जीवित्पुत्रिका की पूजा में चढ़ाया। इस दौरान पिंडरा, फूलपुर, सिंधोरा, गरथमा, ओदार, मंगारी, कुआर व कठिराव समेत अनेक बाजारो व गांवो के तालाबो व नदी के किनारे पूजा करने के लिए भीड़ दिखी।

बीच मैच में बदलेगी प्लेइंग-11, फुटबॉल की तर्ज पर बीसीसीआई ला रहा नया नियम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

क्रिकेट के खेल का रोमांच बढ़ाने के लिए सभी देशों के क्रिकेट बोर्ड और आईसीसी लगातार कोशिश करता रहता है। इसी पहल के तहत बीसीसीआई नया नियम लाने की तैयारी कर रहा है। इस नियम के अनुसार हर मैच में दोनों टीमों के कप्तान 11 की बजाय 15 खिलाड़ियों का नाम मैच के लिए देंगे। इस नियम का नाम इम्पैक्ट प्लेयर होगा।

- इम्पैक्ट प्लेयर नियम के तहत मैच में 15 खिलाड़ियों के देने होंगे नाम
- सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के बाद आईपीएल में आजमाने की संभावना

शुरुआत में यह नियम भारत के घरेलू मैचों में लागू होगा। इसके बाद इसका असर और इसके आने से खेल में हुए बदलाव की समीक्षा की जाएगी। सब कुछ ठीक होने पर इसे आईपीएल में भी लाया जाएगा और भविष्य में आईसीसी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी इसे मंजूरी दे सकती है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी की शुरुआत 11 अक्टूबर से हो रही है और इसी टूर्नामेंट में पहली बार यह नियम लागू किया जा सकता है।

बीग बैश में ऐसा ही नियम

ऑस्ट्रेलिया की टी20 लीग बीग बैश में पहले ही ऐसा नियम है। इसे एक्स फैक्टर नाम दिया गया है। इस नियम के अनुसार 13 खिलाड़ी हर टीम में होते हैं और जरूरत के हिसाब से कोच और कप्तान किसी एक खिलाड़ी को पहली पारी के 10वें ओवर से पहले बदल सकते हैं। हालांकि, उसी खिलाड़ी की जगह नया खिलाड़ी आ सकता है, जिसने बल्लेबाजी नहीं की हो और एक ओवर से ज्यादा गेंदबाजी नहीं की हो।

बीसीसीआई का सर्कुलर जारी

बीसीसीआई ने सभी राज्यों के क्रिकेट बोर्ड को एक सर्कुलर जारी किया है, जिसमें इस नियम से जुड़ी जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि टी20 क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए कुछ नया लाने की तैयारी की जा रही है। इससे यह फॉर्मेट और भी रोमांचक होगा।

क्या है 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम?

इस नियम के आने पर दोनों टीमों के कप्तान टॉस के समय अपनी 11 खिलाड़ियों की टीम बताएंगे और चार सब्सटीट्यूट खिलाड़ियों के नाम भी देंगे। इन चार खिलाड़ियों में से किसी एक खिलाड़ी को मैच के दौरान इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में किसी भी खिलाड़ी की जगह टीम में शामिल किया जा सकेगा। ऐसे में जिस खिलाड़ी को सब्सटीट्यूट किया जाएगा, वह मैच से बाहर होगा, जबकि बाकी का मैच इम्पैक्ट प्लेयर खेलेगा। मैच के दौरान फील्डिंग भी वही खिलाड़ी करेगा। कप्तान या टीम मैनेजमेंट को इम्पैक्ट प्लेयर का इस्तेमाल करने से पहले अंपायर को सूचना देनी होगी। अगर टीम इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में किसी गेंदबाज को शामिल करती है तो उसे पूरे चार ओवर करने की छूट होगी। इस बात से फर्क नहीं पड़ेगा कि उसने कितने ओवर किए थे। दोनों टीमें पारी के 14वें ओवर से पहले इम्पैक्ट प्लेयर का इस्तेमाल कर सकेंगी।

खबर संक्षेप

चोटिल उमेश बेंगलुरु में करा रहे उपचार

लंदन। भारत के तेज गेंदबाज उमेश यादव इंग्लिश काउंटी टीम मिडिलसेक्स की तरफ से ग्लोस्टरशर के खिलाफ मैच के दौरान चोटिल हो गए और अब वह बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में उपचार करा रहे हैं। मिडिलसेक्स ने आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि 21 अगस्त को रॉयल लंदन वनडे कब मैच के दौरान उमेश की जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था और वह उपचार कराने के लिए भारत लौट गए हैं। यह तेज गेंदबाज मिडिलसेक्स के लीसेस्टरशर और वारेस्टरशर के खिलाफ होने वाले आखिरी दो मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे।

फातिमा को कांस्य के साथ मिला पैरालंपिक का टिकट

मेरठ। नॉर्थ अफ्रीका के मोरक्को में आयोजित ग्रैंड प्रिक्स में शुक्रवार को मेरठ की बेटी फातिमा खातून ने चक्का फेंक में कांस्य पदक जीता है, जबकि भाला फेंक में वह चौथे स्थान पर रहीं। छठी अंतरराष्ट्रीय पैरा-एथलेटिक्स मीट में फातिमा ने दो पदकों के साथ 2024 पेरिस पैरालंपिक के लिए क्वालिफाई करने के साथ वर्ल्ड चैंपियनशिप-2023 व एशियन गेम्स में भी जगह पक्की कर ली है। वह एशिया में दूसरी रैंक की खिलाड़ी भी बन गई हैं।

ललित बनेंगे डिप्टी एसपी 24 खिलाड़ियों को नौकरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खिलाड़ियों को उपहार दिया है। उन्होंने राज्य का नाम रोशन करने वाले कुल 24 खिलाड़ियों को राजपत्रित अधिकारी के पद पर नौकरी देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही टीम इंडिया के स्टार हॉकी खिलाड़ी ललित कुमार उपाध्याय को सीएम के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक (डिप्टी एसपी) पर भर्ती किया जाएगा।

टेनिस : ऑगर ने पहला सेट गंवाने के बाद 6-7 (3), 6-4, 6-2 से दर्ज की जीत

डेविस कप : ऑगर अलियासिमे से हारे नंबर एक कार्लोस अल्काराज

एजेंसी ▶▶ बार्सिलोना

अमेरिकी ओपन चैंपियन और विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट में फेलिक्स ऑगर अलियासिमे से हार गए जिससे कनाडा इस मुकाबले में स्पेन को 2-1 से हराकर उलटफेर करने में सफल रहा। ऑगर अलियासिमे ने 19 वर्षीय अल्काराज से पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके 6-7 (3), 6-4, 6-2 से जीत दर्ज की।

विश्व में 13वीं रैंकिंग के ऑगर अलियासिमे ने कहा, 'वह विश्व में नंबर एक खिलाड़ी हैं और इसका श्रेय उसे जाता है लेकिन आज मुझे लगता है कि तीसरे सेट में मैंने उससे थोड़ा बेहतर खेल दिखाया।' रॉबर्टो बॉतिस्ता ने दूसरे एकल में वासेक पोस्पिसिल को 3-6, 6-3, 6-3 से पराजित करके स्पेन को पहला अंक दिलाया।

अब सारा दारोमदार युगल मैच पर टिका था जिसमें ऑगर अलियासिमे और पोस्पिसिल ने मार्सेल ग्रेनोलर्स और पेड्रो मार्टिनेज को 4-6, 6-4, 7-5 से हराकर कनाडा की जीत सुनिश्चित की।

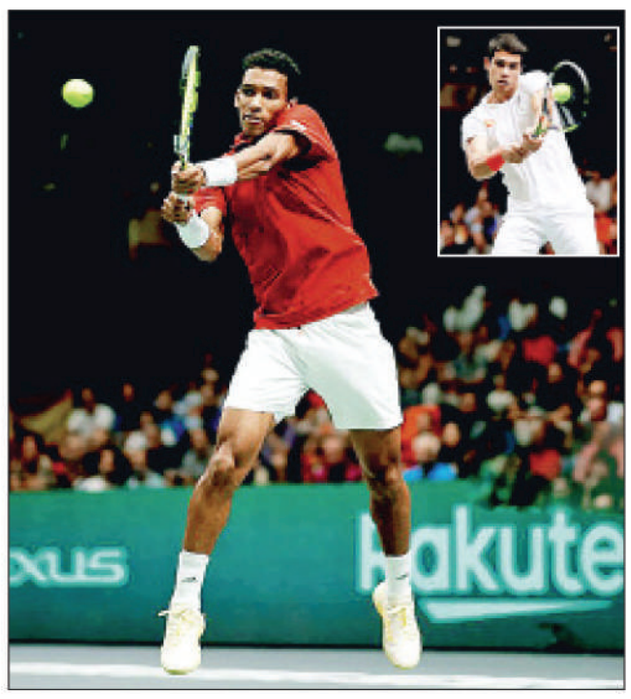

नीदरलैंड ने ब्रिटेन को हराया

ग्लास्गो में नीदरलैंड ने ब्रिटेन को 2-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इससे ग्रुप डी से अमेरिका की भी अंतिम आठ में जगह पक्की हो गई। ग्रुप सी से जर्मनी और आस्ट्रेलिया ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जर्मनी ने बेल्जियम को 2-1 से हराया जबकि ग्रुप ए में इटली ने अर्जेंटीना को इसी अंतर से पराजित किया।

भारतीय युगल जोड़ी भी हारी नॉर्वे ने 3-0 से जीता मुकाबला

लिलेहैमर। विश्व के दूसरे नंबर के टेनिस एकल खिलाड़ी कैस्पर रूड और विक्टर डुरासोविच की जोड़ी ने युगल मैच में भारत के युकी भांबरी और साकेत माइनेनी की जोड़ी को 6-3, 6-3, 6-3 से हराकर डेविस कप विश्व ग्रुप एक के इस मुकाबले को 3-0 से जीत लिया। मुकाबले के शुरुआती दिन दोनों एकल मैच में हार के साथ भारत 0-2 से पीछे था। इसके बाद टीम को युकी और साकेत की जोड़ी से वापसी की उम्मीद थी लेकिन भारतीय जोड़ी ने एक घंटे 50 मिनट तक चले मुकाबले को गंवा दिया। इससे पहले प्रजनेश गुणेश्वरन और रामकुमार रामनाथन ने अपने मैच 1-6, 4-6 के समान अंतर से गंवाए। नॉर्वे के 3-0 से बढ़त लेने के बाद उलट एकल मुकाबले नहीं खेले जाएंगे। गुणेश्वरन अमेरिकी ओपन के उप विजेता रूड से हार गए थे। यह परिणाम अपेक्षित था और ऐसे में भारत की उम्मीदें रामनाथन टिकी थीं। रामनाथन को दूसरे एकल मैच में अपने से कम रैंकिंग वाले डुरासोविच के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

विश्व चैंपियनशिप

बजरंग क्वार्टर फाइनल में हारे, कांस्य के लिए चुनौती पेश करेंगे सागर

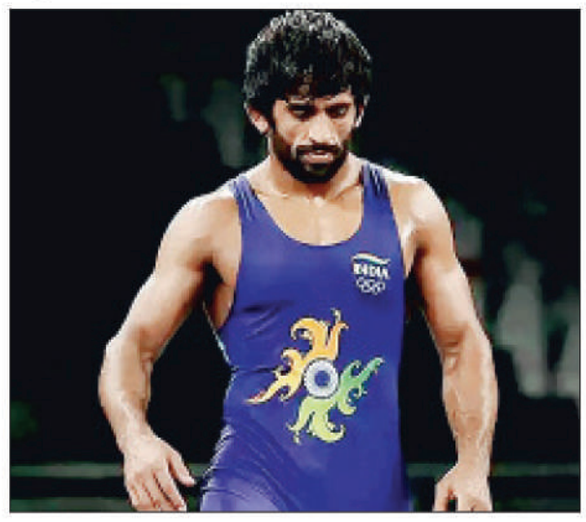

एजेंसी ▶▶ बेलग्रेड

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बजरंग पूनिया (65 किग्रा) शनिवार को यहां कुश्ती विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में हार के साथ उलटफेर का शिकार हो गए जबकि सागर जगलान 74 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे।

दो बार के राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन बजरंग को अमेरिका के 23 साल के यिआनी दियाकोमिहालिस के खिलाफ 65 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में तकनीकी श्रेष्ठता (10-0) के आधार पर शिकस्त का सामना करना पड़ा। विश्व चैंपियनशिप के तीन बार के पदक विजेता पूनिया अब उम्मीद करेंगे कि दो बार के कैडेट विश्व चैंपियन दियाकोमिहालिस फाइनल में पहुंच जाएं जिससे कि उन्हें रेपेचेज के जरिए कांस्य पदक जीतने का मौका मिले। इससे पहले पूनिया ने प्री क्वार्टर फाइनल में क्यूबा के एलेजांद्रो एनरिक वाल्डेस टोबियर को अंकों के आधार पर 5-4 से हराया। दूसरी तरफ 18 साल के सागर ने 74 किग्रा गर्व में मंगोलिया के सुल्दखू ओलोनबायर को 7-3 से शिकस्त दी।

जडेजा की अनुपस्थिति बड़ा झटका, पर कोहली की फॉर्म में वापसी शुभ संकेत

एजेंसी ▶▶ दुबई

श्रीलंका के अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज माहेला जयवर्धने ने रविंद्र जडेजा के चोटिल होने को भारत के लिए करारा झटका बताया लेकिन विराट कोहली के आगामी टी20 विश्व कप से पहले फॉर्म में वापसी को शुभ संकेत करार दिया।

जडेजा एशिया कप के दौरान चोटिल हो गए थे जिसके कारण वह ऑस्ट्रेलिया में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्वकप की 15 सदस्यीय भारतीय टीम में जगह नहीं बना पाए। जयवर्धने ने 'आईसीसी रिव्यू' में कहा, 'यह एक चुनौती है। उन्होंने उन्हें (जडेजा को) नंबर पांच पर अच्छी तरह से फिट कर दिया था। वह वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा था तथा वह और हार्दिक पंड्या शीर्ष छह बल्लेबाजों में शामिल होकर ऑलराउंड विकल्प उपलब्ध करा रहे थे जिससे भारत के बल्लेबाजी क्रम में अधिक लचीलापन था। जडेजा का नहीं होना और उनकी फॉर्म को देखते हुए यह भारत के लिए बहुत बड़ा नुकसान है।' जयवर्धने ने हालांकि कहा कि भारत के लिए स्टार बल्लेबाज कोहली का फॉर्म में वापसी करना शुभ संकेत है।

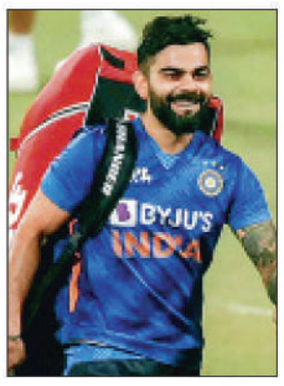

भारत में 2023 में पदार्पण कर सकती है मोटो जीपी

नई दिल्ली। भारत में मोटरसाइकिल रेसिंग की शीर्ष प्रतियोगिता मोटो जीपी का पदार्पण 2023 की सर्दियों में हो सकता है बशर्ते सब कुछ योजना के अनुसार हो। मोटो जीपी के व्यावसायिक अधिकार धारक डोर्ना और नोएडा स्थित रेस प्रमोटर फ्रेयरस्ट्रीट स्पोर्ट्स के बीच अगले हफ्ते करार पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। डोर्ना के प्रबंध निदेशक कार्लोस एजपेलेटा और सीईओ कार्मेलो एजपेलेटा बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में होंगे और 'ग्रां प्री आफ भारत' को लेकर उनके आधिकारिक घोषणा करने की उम्मीद है। प्रतियोगिता का आयोजन बुद्ध अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर किए जाने की संभावना है जहां एक समय फार्मूला वन ग्रां प्री का आयोजन होता था लेकिन वित्तीय, कर और नौकरशाही से जुड़ी अड़चनों के कारण इसे बंद करना पड़ा।

ईपीएल : फुल्हम और विला की शानदार जीत

एजेंसी ▶▶ लंदन

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की याद में मौन रखने और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल प्रतियोगिता फिर से शुरू हो गई जिसमें फुल्हम और एस्टन विला अपने मैच जीतने में सफल रहे। सिटी ग्राउंड में नॉटिघम फॉरेस्ट के कोच स्टीव कूपर और फुल्हम के कोच मार्को सिल्वा ने अपनी टीमों की तरफ से महारानी को पुष्पांजलि अर्पित की।

दूसरी तरफ विला पार्क में प्रकाश धुंधला कर दिया गया और महारानी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बाद में एस्टन विला और साउथम्पटन के खिलाड़ियों के सामने 'गॉड सेव द किंग' गीत गाया गया। इन दोनों मैच में जब खेल 70वें मिनट में पहुंचा तो दर्शकों ने खड़े होकर महारानी की याद में तालियां बजाई। फुल्हम ने पहले हाफ में पिछड़ने के बाद दूसरे हाफ में छह मिनट के अंदर तीन गोल करके नॉटिंघम फॉरेस्ट हो 3-2 से हराया जबकि एस्टन विला ने साउथम्पटन को 1-0 से पराजित किया।

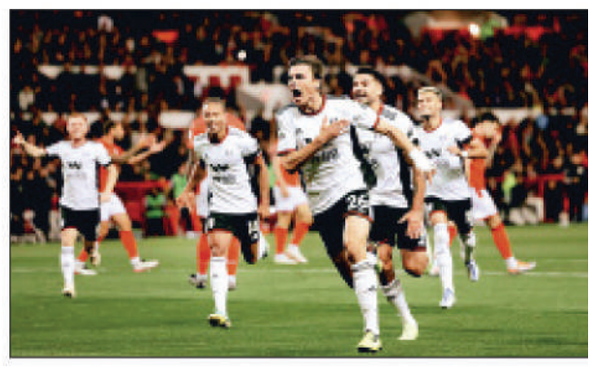

इंग्लैंड के खिलाफ पहला वनडे मुकाबला दोपहर 3.30 बजे से

झूलन को जीत से विदाई देने उतरेगा भारत

एजेंसी ▶▶ होव

खेल के सबसे छोटे प्रारूप में लचर प्रदर्शन करने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम को अगर अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी को जीत के साथ विदाई देनी है तो उसे इंग्लैंड के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। भारत के लिए टी20 श्रृंखला अच्छी नहीं रही जिसमें उसने विशेष रूप से बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण में खराब प्रदर्शन किया।

इंग्लैंड की चोटिल कप्तान हीथर नाइट सहित तीन खिलाड़ी इस श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे और ऐसे में भारत के पास इंग्लैंड को उसकी धरती पर हराने का अच्छा मौका होगा। भारत के मध्यक्रम की समस्या लंबे समय से बनी हुई है और इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 मैचों में भी टीम प्रबंधन इसका समाधान नहीं ढूंढ पाया। डी हेमलता को मध्यक्रम में आजमाया गया लेकिन वह प्रभाव नहीं छोड़ पाई। जेमिमा रोड्रिग्स को भले ही टीम में लिया गया है लेकिन उनकी फिटनेस पर सवालिया निशान लगा हुआ है।

वह चोटिल होने के कारण 'द हंड्रेड' प्रतियोगिता से हट गई थी। टी20 टीम से बाहर की गई यास्तिका भाटिया पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव होगा। भारतीय बल्लेबाजी जहां स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर पर निर्भर रहेगी वहीं सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा को अपने प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। झूलन इस श्रृंखला के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगी।

महिला टीम ने टी20 श्रृंखला में किया निराशाजनक प्रदर्शन

भारत स्पिनरों पर निर्भर

हाल में रेणुका सिंह ने कुछ उम्मीद जगाई है लेकिन भारत अब भी स्पिनरों पर अधिक निर्भर है। पूजा वस्त्राकर, स्नेह राणा और दीप्ति शर्मा अपने प्रदर्शन के आधार पर टीम में जगह बनाने की हकदार हैं, लेकिन सवाल उठता है कि क्या अंतिम एकादश में विशेषज्ञों के बजाय तीन ऑलराउंडर को रखना सही विकल्प होगा। यह श्रृंखला आईसीसी वनडे महिला चैंपियनशिप का हिस्सा होगी जिससे 2025 में होने वाले विश्वकप के क्वालीफायर का फैसला किया जाएगा।

बिजनेस साइट

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन पर कार्यशाला का आयोजन

रायपुर। खादी और ग्रामोद्योग आयोग सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार की ओर से प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजनांतर्गत राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार की एक बहुत ही महत्वपूर्ण योजना है जिसके माध्यम से पूरे भारत में बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार प्रदान किया जा रहा है। इस योजना के लिए भारत सरकार की ओर से खादी और ग्रामोद्योग आयोग को नोडल एजेंसी नियुक्त किया गया है। इस योजना को 3 विभाग खादी और ग्रामोद्योग आयोग, खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड एवं उद्योग विभाग जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के माध्यम से क्रियान्वित किया जा रहा है।

टाटा मेमोरियल व बालको मेडिकल ने किया एमओयू

रायपुर। टाटा मेमोरियल मुंबई, और बालको मेडिकल सेंटर ने देश में कैंसर उपचार के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए एक समझौता किया। टीएमसी के निदेशक डा. आरए बड़वे और बीएमसी की डा. भावना सिरोही ने कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बालको मेडिकल सेंटर की अध्यक्ष ज्योति अग्रवाल की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। समझौते के अनुसार, बालको मेडिकल और टाटा मेमोरियल ज्ञान व विशेषज्ञता के आदान-प्रदान, कौशल, क्षमता व कार्य संस्कृति संवर्धन के जरिए कैंसर उपचार के क्षेत्र में श्रेष्ठता पाने की दिशा में मिलकर काम करेंगे। बालको मेडिकल की अध्यक्ष ने इस महत्वपूर्ण साझेदारी पर प्रसन्नता जताई। उन्होंने कहा कि कैंसर चिकित्सा के क्षेत्र में यह देश के लिए महत्वपूर्ण क्षण है।

आइस क्यूब करें इस्तेमाल तो बिना फेशियल के मिलेगी निखरी त्वचा

आइस क्यूब चेहरे के लिए बहुत फायदेमंद होता है। पिंपल्स के कारण होने वाली सूजन से लेकर सनबर्न तक से राहत पहुंचाने का काम आइस क्यूब करता है और हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं और जब हम दोनों का एकसाथ चेहरे पर उपयोग करते हैं तो चेहरा निखर जाता है।

आइस क्यूब और हल्दी दोनों ही त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं और जब दोनों का एकसाथ इस्तेमाल किया जाए तो फायदा दोगुना हो जाता है। जी हां, हल्दी से बनी आइस क्यूब चेहरे पर रगड़कर आप फेशियल जैसा निखार पा सकती हैं। चलिए जानते है इसे बनाने और लगाने का सही तरीका।

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के मुताबिक, आइस क्यूब चेहरे के लिए बहुत फायदेमंद होता है। पिंपल्स के कारण होने वाली सूजन से लेकर सनबर्न तक से राहत पहुंचाने का काम आइस क्यूब करता है और हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं और जब हम दोनों का एकसाथ चेहरे पर उपयोग करते हैं तो चेहरा निखर जाता है।

कैसे बनाएं हल्दी वाला आइस क्यूब?

इस नुस्खे को आजमाने वाले इसे बनाने का तरीका बताते हैं। आधा कप पानी में आधा कप दूध (कच्चा) एक टीस्पून शहद और चुटकीभर हल्दी डालकर मिक्स करें। इस मिश्रण को आइस ट्रे में डालकर जमा दें। जब अच्छी तरह जम जाए तो निकालकर चेहरे पर इससे मसाज करें।

हल्दी आइस क्यूब के फायदे

- बर्फ से मसाज करने से चेहरे पर ब्लड सकुर्लेशन अच्छी तरह से होता है जिससे निखार बढ़ता है। साथ ही यह स्किन पोर्स को भी छोटा करता है। इसके अलावा हल्दी स्किन के लिए बहुत लाभकारी होती है। यह पिंपल्स रोकने में भी मददगार है। बहुत सारे स्किन केयर प्रोडक्ट्स में भी हल्दी का इस्तेमाल किया जाता है।

- ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, दूध चेहरे की क्लींजिंग करने के साथ ही डेड स्किन सेल्स को हटाता है। साथ ही कच्चा दूध बेहतरीन मॉइश्चराइजर का भी काम करता है।

- त्वचा विशेषज्ञों के मुताबिक, एंटीबैक्टीरियल गुण वाला शहद चेहरे को मॉइश्चराइज करने के साथ ही मुंहास रोकने में भी कारगर है। ब्यूटी एक्सपर्ट्स के मुताबिक, हल्दी के आलावा बहुत सारी अन्य चीजें मिक्स करके भी आइस क्यूब बनाया जा सकता है।

ग्रीन टी आइस क्यूब

इसे बनाने के लिए दो कप पानी दो ग्रीन टी बैग डालकर एक घंटे के लिए छोड़ दें। फिर इस पानी को आइस ट्रे में डालकर फ्रीजर में रखें।

इस आइस क्यूब से चेहरे पर मसाज करने से स्किन तो अच्छी रहती ही है, साथ ही यह डार्क सर्कल कम करने में भी मददगार है। जब भी आपको लगे कि आंखों के नीचे काले घेरे हो रहे हैं तो एक क्यूब निकलाकर उस हिस्से पर मसाज करें।

एलोवेरा आइस

4 टेबल्सपून एलोवेरा जेल (ऑर्गेनिक) लेकर उसमें ळ टेबलस्पून शहद डालकर अच्छी मिलाएं और इसे आइस क्यूब ट्रे में जमा लें। यह क्यूब सनबर्न में बहुत फायदेमंद होती है। जब भी सनबर्न के कारण त्वचा पर खुजली हो तो इसे क्यूब से मसाज कर लें और ठंडक मिलेगी।

खीरा आइस क्यूब

इसे बनाने के लिए के खीरे को मिक्सर में पीसकर प्यूरी बना लें। इसमें एक टीस्पून नींबू का रस और एक टीस्पून शहद मिलाएं। इस मिश्रण को आइस ट्रे में जमा लें। जब भी लगाना तो इसे फ्रिज से निकालकर 30 सेकंड के लिए छोड़ दें उसके बाद चेहरे और गर्दन पर मसाज करें और 10-15 मिनट बाद धो लें। यह बेहतरीन क्लिंजर का काम करता है।

रिश्तों की नयी इबारत का सृजन

अमेरिकी लेखिका लुईस ग्लिक को इस वर्ष का नोबेल साहित्य पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा हुई है। अचानक घोषणा यह दिखाती है साहित्य की दखल जिंदगी को और अच्छे मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती रहेगी।

आज की इस दुनिया में साहित्य की भूमिका भी बेहद बदल गई है। कोविड-19 महामारी ने सब कुछ बदल दिया है। शब्दों की दुनिया में भी संवेदनाओं का चेहरा बिल्कुल नया हो गया है। शब्द दर्द से भर गए हैं। स्वीडिश एकेडमी ने यह साफ कर दिया है कि शब्दों की जो भूमिका इस चुनौती के समय में हो सकती थी, वह उनके साहित्य में एकदम स्पष्ट होकर संघर्ष और नयी जिंदगी के बीच नयी राह अख्तियार करती है।

उनकी रचनाओं में जिंदगी का यह सच एवं भविष्य का संवेदना भरा चेहरा दिखाई देता है। उनकी सारी पुस्तकें इसी तरह की संघर्ष की बानगी से मानवीय सरोकारों से जुड़े हुए शब्दों का अनूठा एवं संवेदनशील भंडार हैं। जिंदगी का संघर्ष कुछ इस तरह से है, जिसे शब्दों में बांधना मुश्किल है परंतु जिस संघर्ष और अंतर्मन की उड़ान उनके रचे हुए साहित्य में है, वह अप्रतिम और अनूठी है। उनके रचित साहित्य का अलग-अलग भाषाओं में अनुवाद किया गया है। दरअसल, उनका समूचा रचना कर्म इसी तरह की एक नयी रवानगी एवं नये उत्साह से नयी जिंदगी को रास्ता दिखाता है। ग्लिक के साहित्य में जीवन के अनेक सतरंगी इंद्रधनुषी कोलॉज हैं, जिनकी छटा देखते ही बनती है। यदि लुईस का साहित्य देखना हो तो उसकी कविताओं में उतर कर देखो, जिसमें वह कहती है :-

ह्यजिंदगी तो यहीं कहीं थी
एक बार बिखर गई
तो फिर रास्ता नहीं मिलेगा
जिंदगी भूख से तो बड़ी नहीं है।
भूख दूर नहीं हुई
तो फिर जिंदगी कहीं नहीं रहेगी।

इस वाक्य के साथ जिंदगी की समूची सच्चाई आपके सामने उतर जाती है और यह जीवन का अहसास वृत्तांत दृष्टि से देखा जाए तो साहित्य का एक सर्वोत्तम उपकरण एवं सर्वोत्तम शब्दों का एक खूबसूरत गुलदस्ता हो सकता है।

अपनी एक कविता में लुईस लिखती है :-

ह्यजिंदगी के लिए आंखों का पानी खत्म हो गया
अब तेरे साथ चलने में भूख का सवाल है।

अनेक पुस्तकों की लेखिका लुईस अप्रैल 22, 1943 को न्यूयॉर्क में पैदा हुई। वह एक ऐसी लेखिका है जो समाज में जिंदगी के कई चेहरों को पहचानती है। येल यूनिवर्सिटी की चर्चित प्रोफेसर और कविता को माध्यम बनाकर अपनी रचना को आधार मानते हुए लुईस ने कविता को नये अर्थों में परिभाषित करने की सफलतम कोशिश की है। उनका निजी जीवन दुश्वारियों से गुजरा है। कहीं ना कहीं उनकी पुस्तकों में वह अपने आप दिखाई देता है।लुईस के रचना कर्म में थोड़ा-सा गहरे उतर कर देखें तो वहां साहित्य की एक अनूठी बानगी है जो बहुत कम लेखकों के हिस्से में आती है। जहां पर जिंदगी होती है, शब्द होते हैं और शब्दों का एक अपना संसार होता है।लुईस ने अपनी फर्स्टबोर्न पुस्तक 1968 में पहली बार जब लिखी तो यह कहना शुरू हो गया था कि वह भविष्य की एक बड़ी लेखिका हैं और जो समय के साथ सच हो गया।एक पुस्तक में वे लिखती हैं कि लेखन का सबसे बड़ा पुरस्कार यदि मुझे मिलता है तो वह पुरस्कार मेरी अपनी रूह को शांति वाला होगा क्योंकि मेरे लफ्ज मेरी रूह की ऐसी सौगात है कि वह हर दिन मुझे एक नया जन्म देते हैं।

फेस्टिवल की उमंग साड़ियों के संग

नवरात्रि के साथ ही त्योहारों का सीजन शुरू हो चुका है। त्योहारों का मतलब उमंग। यह मौका होता है परंपरा के रंग में रंगने और सजने-संवरने का। जब हम परंपरागत तरीके से सजने-संवरने की बात करते हैं तो साड़ी की बात होना लाजिमी है। तो आइये जानते हैं कुछ ऐसी ही पारंपरिक साड़ियों के बारे में जिन्हें त्योहारों पर पहन सकते हैं। इन्हें ऑनलाइन मंगवाया जा सकता है या पहले से घर में रखी ऐसी साड़ियों को इस सीजन में निकालकर पहना जा सकता है। कुछ ऐसी साड़ियां हैं, जिनकी हमेशा मांग रहती है।

संबलपुरी साड़ी

यह साड़ी बुनाई प्रक्रिया से पहले टाई रंगाई द्वारा तैयार की जाती है। ओडिशा इन साड़ियों का केन्द्र है जहां के विभिन्न जिलों में इन साड़ियों को तैयार किया जाता है। इन साड़ियों में मुख्य रूप से डिजाइनों में चक्र, शंख, मोर और फूलों की तरह पारंपरिक रूपांकनों को शामिल किया जाता है।

पटोला साड़ी :

पटोला साड़ी को गुजरात के पाटन में

बनाया जाता है। ये काफी महंगी होती हैं। इस साड़ी पर रेशम की हाथों से बुनाई की जाती है जिसको बनाने में कारीगर को काफी ज्यादा समय लगता है। इसको तैयार करना बड़ा जटिल काम है। इसकी जटिलता के कारण ही इसकी लागत ज्यादा पड़ती है और रेट काफी हाई रहते हैं।

सौंदर्य के लिए वरदान ठंड का मौसम

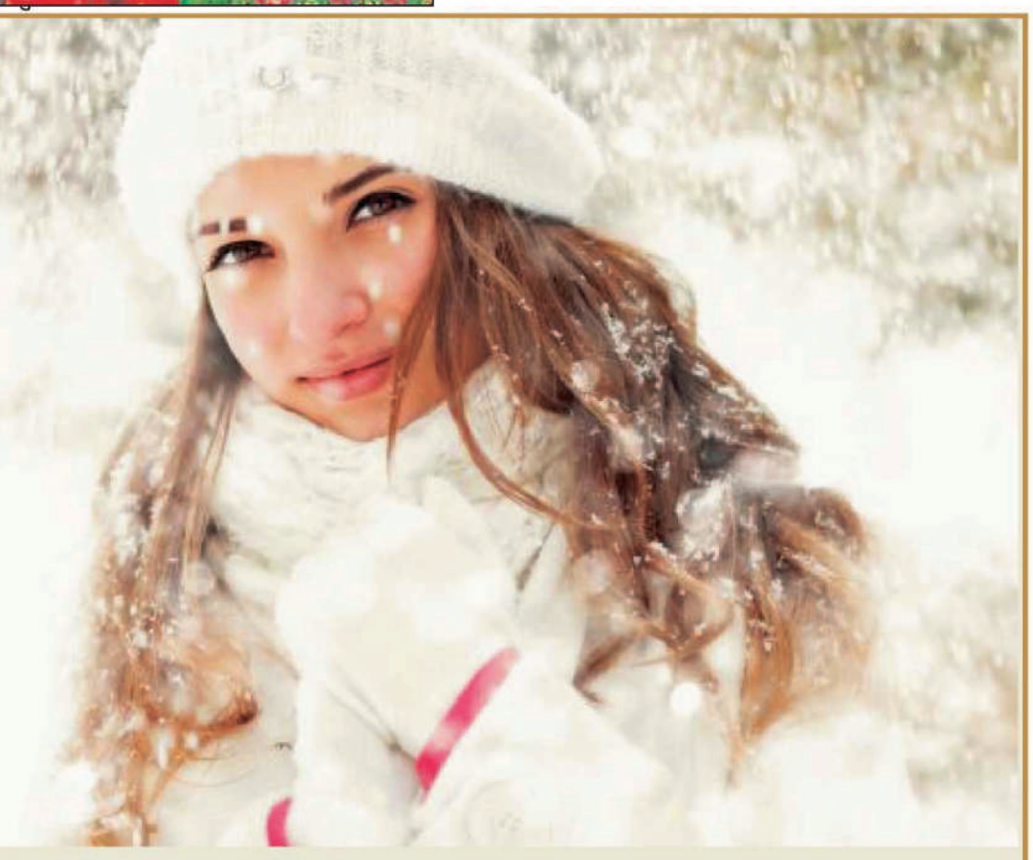

हमारी संपूर्ण त्वचा रोम छिद्रों द्वारा निर्मित होती है। त्वचा प्रतिपल इन छिद्रों के माध्यम से बाहरी वातावरण के संपर्क में रहती है व ऑक्सीजन, विटामिन आदि की पूर्ति करती रहती है। शरीर को कई प्रकार के रासायनिक तत्वों की पूर्ति त्वचा द्वारा ही होती है। जिनमें प्रमुख हैं।

टामिन डी -सूर्य द्वारा ऑक्सीजन -हवा द्वारा ग्नेशियम मैग्नीज -धूल कणों द्वारा लोहा, जंक, ब्रोमिन -मिट्टी द्वारा 12 तरह के सायनिक तत्व -जल द्वारा

त्री व पुरुषों की त्वचा में अंतर होता है और इस अंतर का कारण हार्मोनों के स्राव में परिवर्तन ोता है। हार्मोनों द्वारा मेलोनिन का स्राव त्वचा को सुंदर व मुलायम बनाने के लिए जिम्मेदार ोता है। त्वचा को निम्न उपायों द्वारा चिकना व ुंदर बनाया जा सकता है।

त्वचा के लिए ऑलिव ऑइल सबसे फायदेमंद ल है। मालिश करने पर यह तेल सीधे आंतरिक त्वचा में जाकर वहाँ उपस्थित तेल ग्रन्थियों के स्राव को बढ़ाता है। फलस्वरूप त्वचा धीरे-धीरे ुलायम व स्वस्थ होने लगती है।

कच्चे सलाद के ऊपर हल्का ऑलिव ऑइल ालकर मक्खन की तरह इस्तेमाल करने पर ीधे पेट में जाकर वहाँ की पीएच वैल्यू को संतुलित करता है और त्वचा को स्वस्थ बनाता है। जब तेल को आग पर पकाया जाता है तो उसमें उपस्थित विटामिन ई नष्ट हो जाता है। जबकि यही विटामिन ई त्वचा में कसाव पैदा करता है। इसलिए कच्चा ऑलिव ऑइल अधिक फायदेमंद है।

अत्यधिक सौंदर्य प्रसाधनों का उपयोग त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। संपूर्ण शरीर पर ऑलिव ऑइल, गंधक नीम, चंदन व नमक से तैयार की गई मिट्टी का लेप त्वचा की ऑक्सीजन दर बढ़ाकर त्वचा में कसाव पैदा करता है। त्वचा पर मिट्टी का लेप सबसे स्वस्थ व सुंदर उपाय है।

हमेशा ताजे व ठंडे जल से नहाने पर शरीर को 12 प्रकार के रासायनिक तत्व प्राप्त होते हैं। पानी में उपस्थित हानिकारक रासायनिक तत्वों को त्वचा स्वयं बाहर कर देती है या शरीर उन्हें पसीने के द्वारा बाहर निकाल देता है। स्नान से पहले घर्षण स्नान त्वचा के रोम छिद्रों को खोलकर उन्हें सशक्त व मजबूत बनाता है ताकि स्नान करने पर त्वचा द्वारा पानी अधिक मात्रा में अंदर जा सके। स्नान के बाद तोलिए से शरीर को पोंछना नहीं चाहिए शरीर का पानी यूं ही सूखने दीजिए ताकि त्वचा पानी के साथ-साथ ऑक्सीजन भी ले सके।

आयरनयुक्त आहार खून में लौहतत्व की मात्रा बढ़ाकर त्वचा को कोमल बनाता है। आहार में फल व कच्ची सब्जी सबसे फायदेमंद हैं, जैसे -चुकंदर, गाजर, लीची, शहद, खीरा, टमाटर, पपीता, अनन्नास, लौकी आदि।

कार्टून किरदारों से सजी टी-शर्ट

कार्टून किरदारों की काल्पनिक दुनिया बच्चों को रोमांचित करती है तो बड़ों के लिए ये काम करती है स्ट्रेस बस्टर की तरह। काल्पनिक कार्टून किरदारों की दुनिया में पहुंचकर हम बड़ों को जिंदगी की जटिल उलझनों को भूलकर कुछ पल हंसने का मौका मिलत है। यही वजह है कि वे हमें हैं इतने प्रिय। अपने फेवरेट कार्टून किरदारों को अब आप शामिल कर सकती है अपने पहनावे में। इन दिनों फैशन में हैं कार्टून किरदारे से सजी टी-शर्ट्स। मिकी माउस, ट्वीटी, टॉम एंड जेर्र व एंग्री बर्ड से लेकर डिज्नी की प्रिंसेस तक विभिन्न कार्टून किरदारों के प्रिंट वाली टी-शर्ट्स आजकल यंग गर्ल्स की पहली पसंद हैं। पिछले दिनों सोनम कपूर भी ऐसी ही टीशर्ट में नजर आईं। इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है इसके क्रेज का। कार्टून किरदार देते है मुश्किलों का हंसते हुए सामना करने की प्रेरणा। कार्टून किरदारों के प्रिंट से सजी टी-शर्ट पहनकर आप न सिर्फ पाएंगी स्मार्ट लुक, बल्कि जिंदगी के प्रति पॉजिटिव सोच अपनाने में भी मिलेगी मदद। अब आपको कौन स कार्टून किरदार पसंद है, यह स्वयं तय करें।

हेलमेट बना एक स्टाइल स्टेटमेंट

मॉर्डन वुमेंस की इसेंशियल एक्सेसरीज है हेलमेट। सुरक्षा का नियम यह कहता है कि दोपहिया वाहनों में आगे व पीछे बैठने वाली दोनों सवारियों को हेलमेट अनिवार्य रूप से लगाना चाहिए। इस संबंध में पिछले दिनों दिल्ली सरकार ने नियम बनाया तो सभी ने न सिर्फ इसका स्वागत किया, बल्कि इसे एक मिसाल के तौर पर लिया। इस तरह यह नियम तो सिर्फ दिल्ली के लिए था, पर उसे अपनाने में आगे हैं पूरे देश की गर्ल्स। दरअसल नियम से ज्याद यह उनकी सुरक्षा की बात थी। इस बीच बाजार मे नजर आने लगे हैं गर्ल्स के लिए खास कलर औ लुक वाले हेलमेट्स। पिंक, ब्लू, यलो, ऑरेंज, ग्रीन जैसे खूबसूरत रंगों से लेकर बटरफ्लाई, एनीमल व फ्लोरल प्रिंट तक में मौजूद हैं गर्ल्स के हेलमेट यानी अब या सोचक र हेलमेट लगाने से बचने क जरूर त नहींकि मैं कै स दिखूंगी क्योंकि अपने खास कलरफुल अंदाज के साथ यह बन जाएगा आपक स्टाइल स्टेटमेंट।

गोरखपुर में आप कार्यकर्ताओं ने लगाई जर्जर स्कूलों की प्रदर्शनी

यूपी में अच्छी शिक्षा प्राप्त करना अब सपना बन चुका है - वैभव कुमार जयसवाल, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देने वालों ने उत्तर प्रदेश के 25 हजार स्कूल बंद कर दिए- विजय श्रीवास्तव

प्रखर गोरखपुर। उत्तर प्रदेश में आम आदमी पार्टी द्वारा शुरू किए गए सेल्फी भी सरकारी स्कूल अभियान की चर्चा जोरों पर है. इसी संदर्भ में गोरखपुर में आप जिलाध्यक्ष वैभव कुमार जायसवाल द्वारा बदहाल और जर्जर सरकारी स्कूलों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई. गोरखपुर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गृह जनपद भी है. उनके निवास के 5 किलोमीटर के अंदर आने वाले समस्त सरकारी स्कूलों की तस्वीरें खींच कर उनकी प्रदर्शनी लगाई गई और जनता को सरकारी स्कूलों की अवस्था से अवगत कराया गया।

विजय श्रीवास्तव ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में 25577 सरकारी स्कूलों को बंद कर दिया गया है. उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली भाजपा सरकार ने शिक्षा के गिरते स्तर पर कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाए हैं. वही पत्रकारों से वार्ता के दौरान वैभव कुमार जायसवाल ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में अच्छी शिक्षा प्राप्त करना छात्र छात्राओं के लिए मुश्किल होता जा रहा है. उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों की स्थिति सुधार कर उसको उच्च कोटि का शैक्षिक केंद्र बनाने के बजाय भाजपा सरकार ने उन्हें बंद कर दिया है. आज खुद मुख्यमंत्री जी के गृह जनपद का यह हाल है तो आप अनुमान लगा सकते हैं कि पूरे प्रदेश में सरकारी स्कूलों की स्थिति कैसी होगी. उन्होंने कहा कि आज आम आदमी पार्टी द्वारा यह प्रदर्शनी लगाकर जनता को बताया जा रहा है कि खुद मुख्यमंत्री के क्षेत्र में उनके निवास के 5 किलोमीटर के अंदर आने वाले सारे सरकारी स्कूल जर्जर और बदहाल अवस्था में है जिस पर मुख्यमंत्री जी कोई सार्थक कदम नहीं उठा रहे हैं तो प्रदेश भर में किस प्रकार लापरवाही बरती जा रही है।

आज प्रदर्शनी मे सुनील श्रीवास्तव हरि ओम इरफान अनिरुद्ध श्रीवास्तव तारिक अनवर किशन जयसवाल अबू जंदल संतोष कुमार प्रियांशु गोविंद रीता पांडे निकिता पांडे पूजा अविनाश प्रजापति अजय साहनी धिरेंद्र जायसवाल रमेश शर्मा राजेश राजभर, विजय कुमार, वीरेंद्र दुबे, राजेश कसौधन, अनिल गुप्ता, अशोक विश्वकर्मा, मोहम्मद कलीम, हरेंद्र यादव, विनीत मिश्रा, मोहम्मद फजील शैलेंद्र पांडे, धनंजय, संतोष, अमिताभ जायसवाल आदि लोग शामिल हुए।

रक्तदान का फायदा समाज के लोगों को होता है : डॉ. राधा राम मोहन दास अग्रवाल

प्रखर गोरखपुर। भारत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के अवसर पर ऐतिहासिक गुरुद्वारा जटाशंकर धर्मशाला बाजार गोरखपुर में एक कर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें गोरखपुर शहर के समाजसेवी,शायर,साहित्यकार, लेखक एवं मंच संचालक ई.मिन्नत गोरखपुरी ने रक्तदान कियो इस अवसर पर ई. मिन्नत गोरखपुरी ने बताया कि यह उनका 39 वां बार रक्तदान है इससे पहले वह 38 बार रक्तदान कर चुके हैं ई.मिन्नत गोरखपुरी ने कहा कि रक्त की कमी एक ऐसी कमी है जिसको सिर्फ रख से ही पूरा किया जा सकता है इसका कोई दूसरा और विकल्प नहीं है` कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ राधा राम मोहन दास अग्रवाल ने कहा कि जब व्यक्ति रक्तदान करता है तो ना सिर्फ इसका फायदा उसको मिलता है बल्कि समाज को भी इसका फायदा मिलता है` विशिष्ट अतिथि के रूप में दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री पुष्पदंत जैन ने कहा कि रक्त की कमी से बहुत सारे लोग मर जाते हैं इसलिए हम सब को रक्तदान करके जिनका जीवन बस सके रक्त के अभाव से उनको बचाना चाहिए कार्यक्रम के आयोजक सरदार जसपाल सिंह ने बताया कि 41 यूनिट कलेक्शन हुआ है इस कैंप में` कार्यक्रम के सह संयोजक जगनैन सिंह नीटू ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति को गोरखपुर में एक यूनिट ब्लड की आवश्यकता हो तो वह बिना झिझक गुरुद्वारा जटाशंकर से संपर्क करें उसका सहयोग किया जाएगा` इस अवसर पर पार्षद छठी लाल गुप्ता, अरविंद गुप्ता,सनी हिंदुस्तानी, सरदार जगनैन सिंह नीटू,मोहम्मद आकिब अंसारी, हाजी जलालुद्दीन कादरी,मोहम्मद सिराज सानू,मोहम्मद फुरकान अंसारी,ई.इज्जतुल्लाह, आदि उपस्थित रहे।

चन्दौली पुलिस ने तीन बाइक चोर को किया गिरफ्तार

प्रखर चंदौली। पीडीडीयू नगर स्वाट टीम व इलिया पुलिस ने रविवार को मुखबीर की सूचना पर बाइक चोरी से जुडे तीन चोरों को गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस ने चोरी की 9 मोटरसाइकिल को भी बरामद करते हुए अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है।बाइक चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले चोरों का पदार्फाश करते हुए थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि उच्चाधिकारियों के दिशा निर्देशन में चोरी की घटना के खुलासे में जुटी टीम को सूचना मिली की एक गिरोह द्वारा बाइक चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने बनरसिया नहर माइनर के समीप से दो बाईक के साथ विजयमल सिंह, पंकज यादव, अभिषेक खरवार को फेसुड़ा थाना सैयदराजा को पुलिस बनरसिया नहर माइनर के समीप से दो चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने अभियुक्तों से पूछताछ कर उनकी निशानदेही पर सात बाइक खझरा पहाड़ी के पास गड्ढानुमा झाड़ झंखाड़ की आड़ में छुपा कर रखा गया था को बरामद किया गया। तीनों वाइक चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तारी टीम में स्वाट टीम के प्रभारी अजीत कुमार सिंह, थानाध्यक्ष अमित कुमार ,एसआई सत्येंद्र विक्रम सिंह, अखिलेश सोनकर ,विजेंद्र कुमार, तथा कांस्टेबल धर्मेंद्र यादव, नीलकमल यादव, सौरभ पटेल, राणा प्रताप सिंह ,प्रीतम कुमार, विजेंद्र कुमार, मौजूद थे।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में 209 मरीजों का परीक्षण

प्रखर जलालपुर जौनपुर। जलालपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेहटी में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। रविवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेहटी में सेवा पखवाड़ा के तहत डॉक्टर अजय सिंह भाजपा जिला महामंत्री मछलीशहर ने मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि भाजपा मंडल अध्यक्ष रणविजय सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में मुख्य अतिथि ने मधुमेह का जांच करवाये। शिविर में जनरल रोग, महिला रोग, दंत रोग,आंख रोग,के 209 बूढ़े ,जवान और बच्चो के मरीजो के जांच कर दवा वितरण किया गया। समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेहटी के अधीक्षक डॉक्टर आलोक कुमार सिंह ने बताया कि यह सेवा पखवाड़ा के रूप में शिविर का आयोजन किया गया। जिसका लाभ आसपास के गांव के जरूरतमंद मरीजो को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने के लिए लगाया गया है। इस शिविर में डॉक्टर विनय सिंह, डॉक्टर महजबी आरा, डॉक्टर हेमन्त यादव, ऑप्टम दिनेश कुमार सिंह एलटी श्रवण कुमार निर्मल एचईओ राकेश कुमार चौबे, फार्मासिस्ट शैलेन्द्र सिंह स्वपन सिंह, प्रदीप तिवारी रहे।

जर्जर लकड़ी के खंभा के सहारे विद्युत आपूर्ति दे रहा मौत को दावत

प्रखर कुशीनगर। जिले में बहुँत से ऐसे गाँव है जहां पर अभी भी लकड़ी के खम्भा के सहारे विधुत की आपूर्ति हो रही है। भारतीय किसान यूनियन (अ) के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह बार बार आवाज उठा रहे है कि जनपद में जर्जर हो चुके विद्युत आपूर्ति हो रहे लकड़ी के खम्भे को बदला जाय ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे को समय से पूर्व रोका जा सके मगर अभी तक विधुत विभाग या जिला प्रशासन द्वारा इसके ऊपर कोई ठोस कार्यवाही नही किया गया है। बताते चले, जनपद कुशीनगर के कप्तानगंज तहसील अंतर्गत लक्ष्मीगंज बाजार से जो सड़क रामबाग को जाता है ग्रामसभा देवरियाबाबू हंसराज मौर्या के घर के सामने जर्जर हो चुके लकड़ी के खंभे के सहारे विद्युत आपूर्ति हो रहा है।जो बरसात के वजह से सड़क पर लटक गया है और बड़े दुर्घटना का दावत दे रहा है। इस लकड़ी के खम्भा को बदलवाने के लिये इससे पहले भी हमारे द्वारा आवाज उठाया गया था मगर बड़े दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ रहा है कि इस खम्भा को अभी तक नही बदला गया। भारतीय किसान यूनियन (अ) की जिला इकाई, कुशीनगर के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह विधुत विभाग और जिला प्रशासन से माँग करते है कि उक्त विधुत खम्भा जो लटक रहा है उसे तत्काल प्रभाव से ठीक कराया जाय ताकि कोई बड़ा घटना होने के पूर्व इसे रोका जा सके और साथ ही साथ जनपद में लकड़ी के जितने भी खम्भे है उसे बदलवाने का कार्य किया जाय जो जनहित में होगा।

नपं बृजमनगंज में बस अड्डा बनाना बहुत ही जरुरी : जगदम्बा जायसवाल

उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री सहित परिवहन मंत्री एवं वित राज्य मंत्री को लिखा पत्र

प्रखर महराजगंज।नगर पंचायत बृजमनगंज मे रोडवेज बस संचालन एवं बस अड्डा बनाने के लिए उत्तर प्रदेश उधोग ब्यापार मंडल विधानसभा उपाध्यक्ष एवं सभासद प्रत्याशी जगदम्बा जायसवाल ने उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री सहित परिवहन मंत्री एवं वित्त राज्य मंत्री को लिखा पत्र।उन्होंने बताया कि जनपद महराजगंज जिले सन- 1989 मे सृजन हुआ। 32 वर्ष बीत जाने के बाद भी बृजमनगंज कस्बा अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है।कभी यह कस्बा ब्यापारिक स्थल हुआ करता था। वर्तमान नगर पंचायत बृजमनगंज जो सिद्धार्थ नगर जिले एवं नेपाल बॉर्डर से सटा हुआ है यहां से मुख्यालय की दूरी 50 किलोमीटर तथा गोरखपुर की दूरी 55 किलोमीटर है यहां से नेपाल बार्डर की दूरी 40 किमी तथा सिद्धार्थ नगर की दूरी 18 किमी है। ब्यापार एवं अन्य कार्य की दृष्टि से प्रतिदिन लोगों को गोरखपुर जाना पड़ता है। सरकारी कार्य के लिए मुख्यालय महराजगंज जाना पड़ता है ।पर्यटन की दृष्टि से लोगों को नेपाल जाना पड़ता है ।गोरखपुर और सिद्धार्थ नगर के बीच एक भी बस अड्डा नहीं हैयहां से शोहरतगढ, बढनी ट्रेन के अतिरिक्त कोई साधन मौजूद नहीं है लोगों को बढ़ने तक जाने के लिए लंबे इंतजार के बाद कई प्राइवेट वाहनों का सहारा लेकर बढ़नी तक की यात्रा करते हैं जिसके कारण अधिक किराया तथा अधिक समय का नुकसान यात्रियो को उठाना पडता हैं। बृजमनगंज से सोनौली तक एक रोडवेज बस का संचालन काफी समय से किया जा रहा है जबकि मुख्यालय महराजगंज एवं गोरखपुर जाने के लिए एक भी रोडवेज बस का संचालन नहीं है।

इस संबंध में समाजसेवी विनोद जायसवाल ने कहा कि नगर पंचायत के विकास के लिए सरकारी बसो का संचालन बहुत ही आवश्यक है यह यहां उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बस डिपो का निर्माण कराया जाता है तो जहां क्षेत्र के लोगों को प्राइवेट वाहनों से कम किराये में लम्बी दूरी की यात्रा कर सकेंगे वहीं नेपाल, मुख्यालय, गोरखपुर सहित सिद्धार्थ नगर, संतकबीरनगर तक जाने में लोगों को सुविधा मिलेगी।ब्यापार मंडल विधानसभाअध्यक्ष आशीष जायसवाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की योजना है कि प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के तहत गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ रोडवेज की सुविधा मुहैया कराना है रोडवेज की सुविधा से वंचित इस कस्बे के लोगों संचालन होने से काफी राहत मिलेगी। ब्यापार मंडल विधानसभा अध्यक्ष आशीष जायसवाल विधानसभा मंत्री गौरव जायसवाल सहित क्षेत्र के ब्यापारी बद्रीनारायण जायसवाल, विमल जायसवाल, मधुरश्याम जायसवाल, पंकज श्रीवास्तव, नीरज पटवा, डा. चंद्रशेखर गुप्ता, संतोष जायसवाल,छेदी कसौधन आदि लोगों ने इस पहल की सराहना की।

सांसद विजय दुबे ने बच्चों को पोलियो ड्राप पिला कर किया पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

प्रखर कुशीनगर। कुशीनगर के सांसद विजय दुबे ने कलेक्ट्रेट सभागार के पास रविवार को रविन्द्र नगर धूस निवासी धर्मेन्द्र के डेढ़ वर्षीय पुत्र सोनू को पोलियो ड्राप पिला कर पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि सभी लोग अपने पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक जरूर पिलाएं। जिलाधिकारी एस.राज लिंगम ने कहा कि अभियान को सफल बनाने में अन्य संबंधित विभाग भी अपने दायित्वों का ठीक से निर्वहन करें। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.सुरेश पटारिया ने बताया कि पोलियो का टीका नियमित टीकाकरण कार्यक्रम में भी शामिल है । पल्स पोलियो का ड्रॉप जन्म के समय ही दिया जाता है। इसके अलावा छह, दस और चौदह सप्ताह पर भी यह ड्रॉप पिलाया जाता है । इसकी बूस्टर खुराक सोलह से चौबीस महीने की आयु में भी दी जाती है पल्स पोलियो की दवा सुरक्षित और असरदार है । इसके प्रति मिथक और भ्रांतियों के कारण पड़ोसी देश पाकिस्तान और अफगानिस्तान में पोलियो का उन्मूलन नहीं हो सका, जबकि भारत में पोलियो उन्मूलन संभव हो गया । चूंकि पड़ोसी देशों में पोलियो के वायरस मौजूद हैं, इसलिए एहतियातन भारत के भी हर शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चे को पोलियो से पूर्ण प्रतिरक्षित किया जाना अनिवार्य है। इसलिए प्रत्येक अभिभावक का दायित्व है कि वह अपने पाल्यों को पोलियो की दवा अवश्य पिलाएं। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी व डिप्टी सीएमओ डॉ. संजय गुप्ता ने बताया कि 19 से 23 सितंबर तक घर-घर जाकर स्वास्थ्य विभाग की टीम पोलियो की दवा पिलाएंगी। जिले में रविवार को आयोजित बूथ दिवस पर 1553 बूथों पर पोलियो की दवा पिलाई गई। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत कुल 5.95 लाख बच्चों को पोलियो का ड्राप पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए गृह भ्रमण के दौरान पोलियो ड्राप पिलाने के लिए 1023 टीम गठित है, जबकि 56 ट्रांजिट टीम भी लगाई गयी है। उद्घाटन अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ "सेवारत" ने 20 को प्राथमिक शिक्षक संघ के पुरानी पेंशन के लिए आयोजित धरने का किया समर्थन

प्रखर जौनपुर उ0प्र0मा0शि0 संघ (सेवारत) जौनपुर की एक आवश्यक बैठक आज टी डी इंटरकालेज जौनपुर मे संपन्न हुयी।बैठक को संबोधित करते हुए प्रांतीय अध्यक्ष रमेश सिंह ने कहा कि हमारा संगठन पुरानी पेंशन बहाली की मांग का समर्थन ही नहीं करेगा बल्कि संगठन के साथियों की पुरजोर उपस्थिति सुनिश्चित कराते हुए आन्दोलन कारी साथियों का उत्साहवर्धन भी करेगा। इस कड़ी में आगामी 20 सितंबर को प्राथमिक शिक्षक संघ के आह्वान पर "कलेक्ट्रेट जौनपुर" में पुरानी पेन्शन बहाली हेतु आयोजित धरना-प्रदर्शन में उ0प्र0मा0शि0संघ सेवारत अपनी उपस्थिति सुनिश्चित कराएगा और वे स्वयं आन्दोलनकारी साथियों का मनोबल बढाने के लिए उपस्थित रहेंगे। इस आन्दोलन के माध्यम से प्रदेश और देश की सरकार से यह मांग किया जाएगा कि यदि N.P.S. अर्थात नयी पेन्शन व्यवस्था इतनी ही अच्छी है तो उसे सभी सांसदों -विधायकों के साथ-साथ अन्य सभी पेन्शन पाने वाले आदरणीय लोगों पर लागू किया जाय अन्यथा कर्मचारियों/ अधिकारियों और शिक्षकों के लिए भी पुरानी पेन्शन व्यवस्था जो उनका हक है उसे बहाल किया जाय।यदि सरकार ऐसा नहीं करती है तो कर्मचारी/अधिकारी / शिक्षक संयुक्त रूप से तब तक आन्दोलन करते रहेगें जब तक कि पुरानी पेन्शन बहाल नहीं हो जाती या फिर सांसदों/ विधायकों और अन्य को भी नयी पेन्शन व्यवस्था में शामिल नहीं कर लिया जाता। बैठक को प्रांतीय उपाध्यक्ष डा राकेश सिंह, मंडलीय संयोजक सरोज सिंह, जिला अध्यक्ष तेरस यादव व जिला उपाध्यक्ष राजेश सिंह ने भी संबोधित किया।बैठक का संचालन जिला मंत्री ठाकुर प्रसाद तिवारी ने किया।

संक्षिप्त खबरें

सचिन सिंह राजकुमार को मिला राष्ट्रीय धरोहर सम्मान 2022

प्रखर प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में मौर्य बंधुत्व द्वारा आयोजित 16 सितम्बर से 18 सितम्बर तक चिलबिला में आयोजित राष्ट्रीय शैक्षिक महाकुंभ में सचिन सिंह राजकुमार को राष्ट्रीय धरोहर सम्मान से नवाजा गया। इसका उद्घाटन उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या जी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में 23 राज्यों के 3000 छात्र उपस्थित रहे साथ ही कार्यक्रम में सुपर-30 के संस्थापक आनन्द कुमार, ऐलन इंस्टीट्यूट के संस्थापक बृजेश महेश्वरी, लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड डॉ कुंवर राजीव, वैज्ञानिक सतीश पांडेय, मिश इंडिया रिकॉर्ड वर्ल्ड डॉ सारिका महेश भट्ट, डॉ चंद्र मौली जोशी , डॉ चंद्रमोहन नौटियाल, डॉ वीएन राव , डॉ जेजे रावल जी आदि की उपस्थिति रही। सचिन सिंह द्वारा लगातार दो वर्षो से प्रयागराज के कई मलिन बस्तियों में स्वदेश सेवा संस्थान टीम द्वारा निःशुल्क शिक्षा देने का कार्य किया जा रहा हैं। समाज में अंतिम पंक्ति में खड़े हुए लोगों को शिक्षित करने का लक्ष्य लेकर काम करने के लिए इन्हें भारत के धरोहर के रूप में सम्मानित किया गया।

होमगार्ड पर जानलेवा हमले के आरोपित को मिली जमानत

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। ड्यूटीरत होमगार्ड पर हमलाकर सीज ऑटो लेकर भाग जाने के मामले में आरोपित को जमानत मिल गयी। जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने घमरिया, लोहता निवासी आरोपित मो. इरशाद को 75-75 हजार रुपए की दो जमानतें एवं बंधपत्र देने पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत में बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता अनुज यादव, अमनदीप सिंह व कृष्णा यादव ईलू ने पक्ष रखा। अभियोजन पक्ष के अनुसार होमगार्ड चंद्रकांत मिश्र ने 28 अगस्त 2022 को मंडुआडीह थाने में तहरीर दी थी। आरोप था कि उसकी ड्यूटी लहरतारा चौराहे पर लगी थी। इस दौरान उसके टीएसआई मंगेश्वर मिश्र द्वारा एक आटो को सीज करने के लिये पुलिस लाईन भेजे थे। वह आटो लेकर जाने लगा तो आटो के चालक द्वारा उसे जान से मारने की नीयत से गाड़ी को लहरतारा प्लाई ओवर के नीचे उतारकर तेजी से खम्भे में लड़ा दिया गया, जिसके कारण उसे काफी चोट लगी। इसके पहले चालक द्वारा गाड़ी बहुत तेज चलाते हुए उसे धक्का देकर गिराने का प्रयास किया गया और उसे दांत काटा गया, लेकिन वह आटो नही छोड़ा जिसके बाद आटो चालक द्वारा आटो मालिक को सूचना दी गयी और आटो मालिक वहां पहुंचकर आटो लेकर भाग गया। इस मामले होमगार्ड की तहरीर पर आरोपित के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया था।

विश्वकर्मा जयंती पर मिस्त्रियों को किया गया सम्मानित

प्रखर पिंडरा वाराणसी। शिल्प देव भगवान विश्वकर्मा के जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को बरवा स्थित मेसर्स वर्मा मार्बल के परिसर में राजस्थान की एक अग्रणी टाइल्स कम्पनी एसीई के तरफ से क्षेत्र के कामगार मिस्त्रियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान कामगार मिस्त्रियों को शिल्प देव की संज्ञा देते हुए रीजनल मैनेजर नरेंद्र शर्मा ने कहाकि कामगार मिस्त्री किसी मकान के नींव की तरह होते है। उन्हें पूरी तन्मयता से गृहस्वामी को मकान के मजबूत को ध्यान में रखकर सुझाव देना चाहिए। जिससे श्रम धन की बचत हो सके। मजबूत व टिकाऊ टाइल्स के लिए वाटरप्रूफ टाइल्स का प्रयोग करें। वही पीके वर्मा ने कहाकि कामगार ग्राहकों को सही और टिकाऊ जानकारी दे। स्वागत व धन्यवाद राजीव रंजन वर्मा ने किया। इस दौरान दर्जनो कामगार मिस्त्रियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्रीप्रकाश पटेल, लोकनाथ राम, रामअवतार , मनोहर,मनोज ,बृजेश व अनिल पटेल समेत अनेक कामगार मिस्त्री रहे।

तबादले के बाद भी अंगद की तरह पांव जमाये थाने पर जमा है सिपाही

प्रखर केराकत जौनपुर। सफेदपोश में अच्छी पकड़ होने के बाद नही डिगा पाए सिपाही को पुलिस अधीक्षक अजय कुमार साहनी। जिसका जीता जागता सबूत केराकत थाने में तैनाथ कांस्टेबल विष्णु यादव का तबादला पिछले 18 दिन पहले पुलिस अधीक्षक अजय कुमार साहनी के निर्देश पर केराकत कोतवाली से चंदवक थाने पर कर दिया गया था। लेकिन बताया जाता है सिपाही की पकड़ सफेद पोश के आगे पुलिस अधीक्षक के आदेश का कोई फर्क नही पड़ता है। जबकी जारी आदेश पत्र में साफ लिखा गया जनपद की आरक्षी को उनके नाम के सम्मुख अंकित स्थान पर जनहित में तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित किया जाता है। इस संबंध में तहसील के एक पत्रकार द्वारा पूछने जाने पर क्षेत्राधिकारी गौरव शर्मा ने बताया यह विभागीय प्रक्रिया है। इसमें पत्रकार दखल न दें।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं